चैत्र शुक्ल पक्ष- 12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 263 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 मार्च 2026 सोमवार

आज का मौसम
36.6 अधिकतम
21.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ईरान की जंग कौन जीतेगा... हथियार या डिप्लोमेसी?

मिडिल ईस्ट में वर्ल्ड वॉर का ट्रेलर दिखाई दे रहा है ? तेहरान से रेड सी तक आग... तेहरान में यूनिवर्सिटी पर हमला और त्रिपोली से आए अमेरिका के साढ़े तीन हजार सैनिक । ईरान का सऊदी अरब में अमेरिकी बेस पर पलटवार, इजरायल में ईरानी हमले से केमिकल प्लांट ध्वस्त। अब हूती की खुली एंट्री से जंग का फैलाव हार्मुज की खाड़ी से लाल सागर तक। अमेरिकी थल सेना उतारने का फैसला अधर में, क्योंकि इजरायल ने अपने सैनिकों को उतारने से साफ मना किया। इस सबके बीच अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति एंडी जोंस के बयानों का विरोधाभास। एक जंग का जवाब बना रहा है तो दूसरा जंग जल्द थमने की उम्मीदें जता रहा है।

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

त्रिपोली और बड़ी संख्या में थल सैनिकों की तैनाती का क्या है सबब? दस दिनी सीजफायर के बीच यह कवायद क्यों? क्या यह वाकई जंग के विस्तार या ईरान के सामरिक महत्व के ठिकानों पर अपनी सेना की तैनाती की तैयारी है या स्ट्रेटेजिक पोजिशनिंग। लीबिया से रेड सी और मिडिल ईस्ट तक सीधी निगरानी या फिर कुछ और? अमेरिका सीधे युद्ध में नहीं उतरा है, लेकिन यह 'प्रॉक्सी कंट्रोल' का क्लासिक मॉडल है। लेकिन अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन करने उतरे 80 लाख लोग उनके अगले कदमों की राह को रोक रहे हैं।

ईरान ने सऊदी अरब में अमेरिकी बेस को निशाना बनाकर फिर जताया है कि जहां-जहां अमेरिका, वहां-वहां हमला होगा। उसने खाड़ी में जवाबी कार्रवाई के बतौर खाड़ी में स्थित अमेरिकी यूनिवर्सिटी के कैम्पस को निशाना बनाने की धमकी दी है। इजरायल पर भी उसके पलटवार जारी हैं। ईरान और फिलिस्तीन समर्थक विद्रोही हूती संगठन की जंग में सीधी भागेदारी नए खतरों की तरफ इशारा कर रही है। यमन के बड़े हिस्से में काबिज हूती विद्रोही लाल सागर के मुहाने पर चोकिंग प्वाइंट यानि ऑफ बाब-अल-मंडेब के रास्ते को बंद करके पूरे विश्व पर मंडराते खतरे को और गहरा सकते हैं। भूमध्य सागर और अरब सागर के बीच सेतु की तरह जुड़े लाल सागर से दुनिया का करीब 12 फीसदी कारोबार इसी समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है।

बताने की जरूरत नहीं कि यदि यह रास्ता भी बाधित हुआ तो क्या होगा? सप्लाई चेन डिस्टर्ब होगी। इसका सीधा असर यूरोप-एशिया के व्यापार पर होगा। एक तरफ फारस की खाड़ी के बीच हार्मुज स्ट्रेट संकट पैदा कर ही रही है, लाल सागर के मुहाने पर भी जलपोतों की आवाजाही रूकी तो यह सिर्फ मिडिल ईस्ट नहीं, ग्लोबल इकॉनमी का बड़ा संकट होगा। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का खतरा होगा। कच्चे तेल से बनने वाले डीजल, पेट्रोल, कैरोसिन , हवाई ईंधन यानि रिफाइंड कैरोसिन और उसके साथ डामर सहित कई फर्टिलाइजर में प्रयुक्त होने वाली सामग्री के साथ ही प्लास्टिक के पीपी बैग की सप्लाई और ज्यादा प्रभावित होगी।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच पाकिस्तान की चौधराहट वाली भूमिका अप्रासंगिक हो चुकी है। वह खाड़ी की जंग में सरपंची करे या अपने आंतरिक खतरों से जूझे? उसकी भूमिका डिप्लोमेटिक जुए की तरह बची है। अगले 10 से 15 दिन मिडिल ईस्ट के लिए निर्णायक हो सकते हैं । सवाल सिर्फ ये नहीं कि जंग कौन लड़ रहा है? इसे चला कौन रहा है? यह भी कि यह सब एक नियंत्रित खेल है या बेकाबू होते हालात हैं। अंत में फिर वही सवाल - संकट के इस दौर में हथियार जीतेंगे या डिप्लोमेसी?

दादागिरी की इन्तेहां... अमेरिका का प्रस्ताव नहीं माना तो नहीं बचेगा ईरान

ट्रम्प की जुबान पर आई खार्ग द्वीप हासिल करने की मंशा, बोले - तेल पर कब्जा करना मेरी पसंद

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने आखिर कह ही दिया कि वह ईरान का तेल अपने कंट्रोल में लेना चाहते हैं। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने यह बयान दिया। ट्रम्प ने कहा, सच कहूं तो मेरी पसंदीदा चीज है ईरान का तेल लेना। इसपर कब्जे के लिए अमेरिका के पास कई विकल्प हैं। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका में कुछ लोग कहते हैं आप ऐसा क्यों कर रहे हैं? लेकिन वे बेवकूफ हैं।

उन्होंने खार्ग द्वीप का जिक्र करते हुए कहा, 'हो सकता है हम खार्ग द्वीप ले लें, हो सकता है नहीं।' ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि इस द्वीप पर ईरान की रक्षा ज्यादा मजबूत नहीं है और अमेरिका इसे आसानी से अपने कब्जे में ले सकता है। दूसरी ओर ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए जल्द समझौता हो सकता है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेहरान ने अमेरिका का प्रस्ताव नहीं माना, तो उनके पास देश ही नहीं बचेगा। दूसरी ओर जंग में एक नया और खतरनाक मोड़ तब आया जब ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल का टुकड़ा इजरायल के दक्षिणी हिस्से में एक केमिकल फैक्ट्री से टकराया और वहां भीषण आग लग गई। आग से केमिकल रिसाव की आशंका ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया है। नियोत होवाव पर हुए इस हमले से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए, जिसमें धूएं का भारी गुबार उठता नजर आ रहा है। इजरायली मीडिया के अनुसार, दमकल और बचाव दल क्षतिग्रस्त स्टोरेज यूनिट्स को सील करने और स्थिति को काबू में लाने में जुटे हैं।

कतर में पानी प्लांट पर हमला एक भारतीय की मौत

ईरान की ओर से किए गए हमले में कुवैत के एक बिजली और पानी (डिसेलिनेशन) संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर कम से कम आठ हो गई है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने सोशल साइट एक्स पर पुष्टि की कि ईरान के हमले में संयंत्र की एक सेवा इमारत को भी नुकसान पहुंचा। इसे खाड़ी राष्ट्र के खिलाफ 'ईरानी आक्रमण' मानकर कड़ी निंदा की गई है। मंत्रालय ने कहा- 'इस हमले में एक कर्मचारी (भारतीय नागरिक) की मृत्यु हुई और भवन को गंभीर क्षति पहुंची।

पहले ही दिन खत्म हुई विदेश मंत्रियों की मीटिंग

जंग में सुलह के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। इस्लामाबाद में आयोजित विदेश मंत्रियों की अहम बैठक बिना किसी ठोस नतीजे के समय से पहले ही समाप्त हो गई। यह बैठक 29-30 मार्च को दो दिनों तक चलने वाली थी, लेकिन यह एक ही दिन में खत्म हो गई। इसमें तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्री हिस्सा ले रहे थे। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में किसी ठोस रोडमैप या कार्ययोजना पर सहमति नहीं बन सकी। सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्री रविवार को ही रवाना हो गए। बैठक के दौरान देशों के बीच मतभेद भी साफ नजर आए। पाकिस्तान और तुर्की, जहां मध्यस्थता प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के पक्ष में थे, वहीं सऊदी अरब और मिस्र ने ज्यादा सतर्क रुख अपनाया। इन देशों का मानना था कि किसी भी प्रस्ताव को आगे बढ़ाने से पहले सीधे अमेरिका से चर्चा जरूरी है।

लेबनान में 10 लाख बेघर

दक्षिणी लेबनान में लितानी नदी तक 'सुरक्षा क्षेत्र' बनाने की तैयारी के बीच बड़े पैमाने पर लोगों को घर छोड़ने के आदेश दिए हैं, जिससे 10 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। वहीं खियाम इलाके में हिजबुल्लाह ने इजरायली सैनिकों पर रॉकेट हमलों का दावा किया है। लेबनान में हुए हमले में यूएन के एक शांति सैनिक की मौत और तीन के घायल होने की पुष्टि हुई है।

INDIAN PREMIER LEAGUE
राजस्थान-चैन्नई, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

दिल्ली बॉर्डर पर लश्कर आतंकी शब्बीर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी शब्बीर अहमद लोन को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दिल्ली बॉर्डर पर एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लोन पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर भारत में लश्कर-ए-तैयबा के एक नए मॉड्यूल को सक्रिय करने की कोशिश कर रहा था।

मुरैना के जवान ने तीन साथी सैनिकों पर की गोलीबारी

मुरैना/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक सैन्य यूनिट में आधी रात को गोलीबारी की घटना में तीन सैनिक घायल हो गए। सभी को सैन्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आरोप है कि मुरैना निवासी एक सैन्य कर्मी ने बैरक में घुसकर कथित तौर पर साथियों पर अपनी निजी इसांस राइफल से गोलियां चला दीं। सेना ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।आरोपी की पहचान नाइक ड्राइवर मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट पवन कुमार (36) के रूप में हुई है। पवन कुमार 17 वर्षों से सेना में कार्यरत हैं। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

भाजपा का आरोप, वोटर्स को धमका रही हैं ममता बनर्जी

कोलकाता। देश के 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव हैं। सभी राज्यों में पार्टियों की जनसभा, रैली और प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी है। इस बीच भाजपा का एक प्रतिनिधि मंडल आज दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मिला। शिकायत में कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी चुनाव को हाईजैक कर रही है। ममता बनर्जी घर-घर जाकर वोटर्स को धमका रही हैं। उधर, असम के श्रीभूम में पार्टी प्रचार के दौरान कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। AIDUF असम में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है।

मप्र-छग, राजस्थान के युवा विधायकों का सम्मेलन

मुख्यमंत्री बोले- राजनीति में मर्यादा और अनुशासन जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता के बीच बने रहने के लिए विनम्रता बनाए रखें। विधायक अपने इलाके की अच्छाई के साथ कमजोरी को भी समझें। राजनीति में मर्यादा और अनुशासन जरूरी है। आज के दौर में दुनिया हमारी तरफ देख रही है कि भारत किस तरह 2047 के अमृत काल की तरफ बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में चल रहे युवा विधायक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस सम्मेलन में 3 राज्यों के 45 एमएलए मौजूद रहे। वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अपनी बात रखते हुए छात्र संघ चुनाव कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा- हमारे यहां छात्र संघ चुनाव बंद हो गए। नेतृत्व की शुरुआत कॉलेज से होती है। कॉलेज के समय युवाओं के अंदर सिस्टम से लड़ने की आग होती है। वहां से शुरुआत होती है सोचविचार की और सिस्टम से लड़ने की। लोकतंत्र की जड़ें तभी मजबूत होंगी, जब इस देश में डेमोक्रेसी मजबूत रहेगी। युवा विधायकों का स्वागत पारंपरिक लोक नृत्य से किया गया। इसके बाद ग्रुप फोटो खींचा गया। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मध्य प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी मौजूद रहे। दो दिन तक चलने वाले युवा विधायक सम्मेलन में कुल पांच सत्र होंगे। पहले दिन यानी आज तीन सत्र होंगे। इनमें लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने और विकसित भारत 2047 के विजन तक पहुंचने में युवा विधायकों की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

वाहन ओवरटेक करने को लेकर हुए विवाद में हुई गोलीबारी

मॉर्निंग वॉक पर निकले रिटायर्ड ब्रिगेडियर की हत्या

देहरादून, एजेंसी

देहरादून के राजपुर इलाके में एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, दो वाहनों में यात्रा कर रहे लोगों के बीच हुई बहस के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें एक गोली ब्रिगेडियर को लग गई और उनकी मौत हो गई।

मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, दो वाहनों में सवार लोगों के बीच कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद गोलीबारी होने लगी। ब्रिगेडियर उस समय मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तभी एक गोली उन्हें लगी और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने इलाके को घेर लिया है और जांच जारी है।

देहरादून एसपी प्रमोद कुमार ने बताया, आज सुबह करीब 7 बजे राजपुर पुलिस स्टेशन को जौहरी गांव में दो वाहनों के बीच ओवरटेकिंग को लेकर हुए विवाद की सूचना मिली। सूचना मिली कि एक वाहन में सवार लोग आगे चल रहे वाहन पर गोलियां चला रहे थे। गोलीबारी के दौरान, सुबह की सैर के लिए निकले एक व्यक्ति को गोली लग गई और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अब पुष्टि हो गई है कि इलाज के दौरान उस व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्रों सहित सभी पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में घेराबंदी कर दी है। वाहन का पता लगाने और इसमें शामिल व्यक्तियों को पकड़ने के लिए गहन तलाशी अभियान जारी है।

ग्वालियर फर्जी सिम नेटवर्क का खुलासा एक फोटो से की सैकड़ों सिम एक्टिव

ग्वालियर. एजेंसी

शहर में फर्जी सिम कार्ड के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। यहां एक पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) शॉप संचालक ने एक ही व्यक्ति के आधार और फोटो का इस्तेमाल कर सैकड़ों लोगों के नाम पर फर्जी सिम कार्ड जारी कर दिए। मामले का खुलासा तब हुआ, जब जिस व्यक्ति की फोटो सिम फॉर्म में लगाई जा रही थी, वह खुद पुलिस के पास पहुंच गया।

पुलिस को आशंका है कि इन फर्जी सिम कार्ड्स का इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी में किया गया होगा। अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क के खुलासे के बाद कई साइबर फ्रॉड मामलों की कड़ियां जुड़ सकती हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी उमेश कुशवाह (निवासी गिरवाई, मूल रूप से भिंड) ने अपने साथी आशीष नागर को लालच देकर इस काम में शामिल किया था। आशीष का काम ग्राहकों की जगह खुद की फोटो लगाकर सिम एक्टिवेट करना था। इसके बदले उसे हर सिम पर करीब 500 रुपए मिलते थे, जबकि आरोपी एक सिम के लिए एक से डेढ़ हजार रुपए तक वसूलता था। जांच के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपी को पुलिस कार्रवाई की भनक लग गई थी।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने विधायक पद से दिया इस्तीफा

पटना, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आज बांकीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से अपना इस्तीफा सौंप दिया। राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद, संवैधानिक नियमों का पालन करते हुए उन्होंने बिहार विधानसभा से अपना त्यागपत्र सौंपा है।

दरअसल, नितिन नबीन को हाल ही में राज्यसभा के लिए चुना गया है। संसद के उच्च सदन में अपना नया सफर शुरू करने से पहले उन्होंने बांकीपुर की जनता के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। बिहार विधानसभा कार्य संचालन नियमावली के तहत, अगर कोई सदस्य दूसरे हाउस के लिए निर्वाचित होता है तो उसे 14 दिन के अंदर इस्तीफा देना होता है। 16 मार्च को नितिन नबीन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, शिवेश कुमार, उपेंद्र कुशवाहा और रामनाथ ठाकुर राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। ऐसे में आज यानी 30 मार्च को 14 दिन की डेडलाइन पूरी हो गई है।

मेट्रो एंकर

इस बार जनगणना में नए नियम, कपल की स्वयं की घोषणा ही दस्तावेजों में दर्ज होगी

लिव-इन रिलेशनशिप में अगर रिश्ता है 'स्टेबल' तो शादीशुदा कहलाएंगे

नई दिल्ली. एजेंसी

आज के बदलते समाज में रिश्तों की परिभाषाएं तेजी से बदल रही हैं। जो रिश्ते कभी सामाजिक स्वीकृति के लिए तरसते थे, अब वे सरकारी दस्तावेजों में भी अपनी जगह बनाने लगे हैं। भारत की आगामी जनगणना 2027 में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है।

सेंसस के सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर जारी FAQ के अनुसार, यदि कोई कपल बिना शादी के एक ही घर में 'स्टेबल रिलेशनशिप' में रह रहा है, तो उसे शादीशुदा कपल के रूप में दर्ज किया जाएगा। यह फैसला कपल के स्वयं के बयान पर आधारित होगा। अधिकारियों ने साफ किया है कि चाहे व्यक्ति खुद ऑनलाइन जानकारी भर रहा हो या फिर जनगणना कर्मचारी घर आकर डेटा कलेक्ट कर रहा हो, दोनों ही स्थितियों में कपल की स्वयं की घोषणा को ही आधार माना जाएगा। यानी यदि वे अपने रिश्ते को स्थिर मानते हैं, तो उन्हें विवाहित श्रेणी में गिना जाएगा। यदि कपल लंबे समय से साथ रह रहा है, तो वे वैवाहिक स्थिति के तहत फॉर्म भर सकते हैं। यह जनगणना डिजिटल भी उपलब्ध है, जिसमें सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल के माध्यम से लोग खुद ही अपना डेटा ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। यह पहल बदलती सामाजिक संरचना को ध्यान में रखते हुए की गई है, ताकि जनगणना के आंकड़ों में ऐसे रिश्तों को भी आधिकारिक मान्यता और स्थान मिल सके।

हालांकि इस विषय पर पहली बार सार्वजनिक रूप से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि पहले भी ऐसी स्थिति में यही प्रैक्टिस अपनाई जाती थी। पिछली जनगणनाओं में अगर कोई लिव-इन कपल खुद को शादीशुदा बताता था, तो उसे उसी रूप में रिकॉर्ड किया जाता था। जनगणना के हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन फेज में यह जानकारी 33 सवालों में शामिल होती है, जो करीब 45 दिनों तक चलता है। इस प्रक्रिया के तहत एक घर में रहने वाले शादीशुदा कपल्स की संख्या समेत कई सामाजिक और आर्थिक पहलुओं से जुड़े डेटा जुटाए जाते हैं।

'स्थिर रिश्ते' की परिभाषा स्पष्ट नहीं

यह कदम उन लोगों के लिए राहत की तरह देखा जा रहा है जो लंबे समय से लिव-इन में रह रहे हैं लेकिन सामाजिक या कानूनी मान्यता के अभाव में कई सुविधाओं से वंचित रहते थे। सरकार का यह रुख दर्शाता है कि वह अब लोगों की निजी पसंद और जीवनशैली को ज्यादा सम्मान देने की दिशा में बढ़ रही है। लेकिन सवाल यह भी उठता है कि 'स्थिर रिश्ता' की परिभाषा क्या होगी और इसका दुरुपयोग कैसे रोका जाएगा। यही वजह है कि यह फैसला चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

विधायक के प्रयासों से सुलझा मुआवजे का मामला, रहवासियों को मिलेगी राहत

अब हटेगा मखमल से टाट का पैबंद, अटल मार्ग के बचे हुए हिस्से के निर्माण का रास्ता साफ

दोपहर मेट्रो इम्पैक्ट

अवध मार्ग पर ढाई सौ फीट का हिस्सा बना मखमल में टाट का पैबंद

10 सितंबर 2025 को प्रकाशित खबर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कोलार से होशंगाबाद रोड को जोड़ने वाले फोर लेन रोड यानी अवध मार्ग पर दानिश नगर के सीआई हाइट से लगे मुहाने पर ढाई सौ फुट के एक प्लॉट की वजह से अटका हुआ काम अब हो सकेगा। इसके लिए जिस मुआवजे का इंतज़ार किया जा रहा था,वह मिल गया है। सड़क का यह बचा हुआ काम होने के बाद पूरे क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सकेगी। क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा का कहना है कि इस निर्माण की राशि पहले से स्वीकृत है इसलिए काम जल्द हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि सड़क के छोटे से हिस्से की वजह से लोगों को हो रही भारी परेशानी की खबर दोपहर मेट्रो ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी। दरअसल, जमीन का यह टुकड़ा दो लोगों के प्लॉट का हिस्सा था जिस पर हाईकोर्ट के आदेश पर मुआवजा दिया जाना था। जिला प्रशासन की लेटलतीफी की वजह से मुआवजा मिलने में देरी हुई और काम अटका रहा। लेकिन अब अदालती दावपेंच में उलझे इस हिस्से का मसला पौने दस करोड़ के मुवावजे के साथ सुलझ गया है। मुआवजा कांग्रेस नेता शिव गौड़ को मिला है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने इस गतिरोध को खत्म कराने में अहम भूमिका निभाई है। शर्मा का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए फण्ड सुरक्षित है इसलिए इसे बनाने में कोई दिक्कत अब नहीं रही। इस अवध मार्ग का महत्त्व इसी से समझा जा सकता है कि है कोलार रोड के सीआई हाईट तिराहा से दानिश कुंज, बंजारी सोसाइटी, विराशा हाईट, अभिव्यक्ति सोसाइटी, सहित रोहित, नगर बावडिया की कालोनियों को यह होशंगाबाद रोड से जोड़ता है। बावडिया रेलवे ओवरब्रिज होते हुए लोग होशंगाबाद पहुँचते हैं। दूसरी तरफ यह सड़क, बंसल हॉस्पिटल रोड और जेके मेडिकल कालेज एरिया को कलियासोत ब्रिज के जरिये जोड़ती है।

गर्मी की छुट्टियों के लिए रेलवे ने चलाई पुणे व मुंबई के लिए स्पेशल ट्रेनें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गर्मी के मौसम में बढ़ती यात्रा मांग को देखते हुए रेलवे ने भोपाल मंडल के रास्ते गोरखपुर से पुणे और मुंबई (सीएसएमटी) के बीच स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू करने का फैसला किया है। इन ट्रेनों से भोपाल, रानी कमलापति और बीना के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अब और आसान हो जाएगी।

पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल ट्रेनः ट्रेन संख्या 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन 01 से 30 अप्रैल तक प्रतिदिन संचालित होगी। 01415 पुणे से सुबह 06:50 बजे रवाना होकर दूसरे दिन शाम 16:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में 01416 गोरखपुर से शाम 17:30 बजे चलकर तीसरे दिन सुबह 03:15 बजे पुणे पहुंचेगी। यह ट्रेन इटारसी, रानी कमलापति और बीना सहित कई प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इसमें कुल 18 कोच होंगे, जिनमें एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी शामिल हैं।

सीएसएमटी-गोरखपुर-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेनः वहीं, ट्रेन संख्या 01079/01080 सीएसएमटी-गोरखपुर-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन भी 01 से 30 अप्रैल तक प्रतिदिन चलाई जाएगी। 01079 सीएसएमटी से रात 22:30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 10:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में 01080 गोरखपुर से दोपहर 14:30 बजे चलकर तीसरे दिन मध्यरात्रि 00:40 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। यह ट्रेन इटारसी, भोपाल और बीना स्टेशनों से होकर संचालित होगी। इस ट्रेन में कुल 22 कोच रहेंगे।

साइबर ठगी, रेलवे अधिकारी बता कर्मचारियों-पेंशनर्स को ठग रह

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पम रेलवे के भोपाल मंडल ने रेलकर्मियों और पेंशनर्स को साइबर ठगी से बचाने के लिए अहम एडवाइजरी जारी की है। मंडल के मुताबिक, कुछ अज्ञात लोग खुद को रेलवे अधिकारी बताकर रिटायर कर्मचारियों और रिटायरमेंट के करीब कर्मचारियों को फोन कर रहे हैं। ये ठग बैंक खाता, एटीएम, ओटीपी और पिन जैसी गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि रेलवे का कोई भी अधिकारी फोन पर इस तरह की संवेदनशील जानकारी नहीं मांगता। ऐसे सभी कॉल पूरी तरह फर्जी हैं और ठगी का प्रयास हैं।

यंग थिंकर्स फोरम के आयोजन में युवाओं ने समसामयिक विषयों पर की परिचर्चा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

यंग थिंकर्स फोरम द्वारा देश के तीन समसमायिक विषयों पर परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें शामिल युवाओं ने बेबाक तरीके से अपना पक्ष रखा। सुप्रीमकोर्ट के हालिया निर्णयों से जुड़े विषयों पर आधारित इस सामूहिक कार्यक्रम में रिलीजन, हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अलावा किसी और रिलीजन में कन्वर्ट होने पर अनुसूचित जाति का दर्जा निरस्त होने और ट्रांसजेंडर चर्चा का केंद्र रहे। विषय विशेषज्ञ प्रभाव शर्मा भी इस दौरान मौजूद थे।

प्रथम विषय हाल ही में इलाहाबाद हाई-कोर्ट के जजमेंट पर चर्चा थी जिसमें उच्च-न्यायालय ने ईसाई पादरी फादर विनीत विंसेंट परेरा की याचिका यह कहकर ख़ारिज की कि भारत एक सेक्युलर देश है इसलिए इसमें किसी के भी द्वारा सार्वजनिक रूप से यह दावा करना कि उनका रिलीजन ही एकमात्र सत्य रिलीजन है, अन्य धर्मों का अपमान है और उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है। इसलिए ये अनुच्छेद 295 के अंतर्गत अपराध है। चर्चा में इस्लाम और ईसाईयत की किताबों, बाइबल और क़ुरान का संदर्भ देकर कहा गया कि ये तो इन मज़हबों का मूलभूत सिद्धांत ही है। वहीं हाल ही में आंध्र प्रदेश के ईसाई पादरी चिंथदा आनंद ने एससीएसटी एक्ट के अंतर्गत एफ़आईआर दर्ज की किंतु प्रतिवादी ने उनके ईसाई होने के का हवाला देकर कहा की चूंकि ये प्रैक्टिसिंग क्रिश्चियन हैं, इनको अनुसूचित जाति नहीं माना जा सकता।

काटजू अस्पताल में नवजात की मौत पर हंगामा, लेबर पेन के दौरान बिगड़ी स्थिति

डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने खुद को कमरों में किया बंद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में रविवार रात नवजात की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। गुस्साए परिजन अस्पताल परिसर में विरोध करने लगे। महिला डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ खुद को कमरों में बंद कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह हालात संभाले। इस पूरे मामले में परिजन जहां डॉक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगा रहे हैं, वहीं अस्पताल प्रबंधन ने इसे जटिल चिकित्सीय स्थिति बताते हुए अपनी सफाई दी है।

पहला बच्चा था, अचानक बिगड़ी हालतः परिजनों के अनुसार, संजना रैकवार को 9 माह की गर्भावस्था में शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया था। यह उनका पहला बच्चा था। रविवार शाम करीब 5 बजे उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई और लेबर रूम में सामान्य डिलीवरी की प्रक्रिया शुरू हुई। परिजन बताते हैं कि बच्चा आधा बाहर आ चुका था, लेकिन अचानक स्थिति बिगड़ने पर डॉक्टरों ने प्रसूता को ऑपरेशन थियेटर में शिफ्ट

कर दिया। कुछ देर बाद उन्हें बताया बच्चा मृत पैदा हुआ है। यह सुनते ही परिजन आक्रोशित हो गए।

परिजनों का आरोप- लापरवाही से गई जान

परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जब प्रसव सामान्य हो रहा था, तो अंतिम समय में ऑपरेशन की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रसव के दौरान अस्पताल में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ मौजूद नहीं था, जिसके कारण ऑपरेशन में देरी हुई। इसी देरी के चलते गर्भ में ही बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजन भड़क गए और अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया।

प्रबंधन की सफाई- लेबर पेन में जटिलता आई

अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों के आरोपों को नकारते हुए घटना को चिकित्सीय जटिलता बताया है। डॉ. रचना दुबे के अनुसार, प्रसूता की स्थिति शुरुआत में सामान्य थी, लेकिन लेबर पेन के दौरान बच्चे का रोटेशन रुक गया। उन्होंने बताया कि यह गंभीर स्थिति होती है, जिसमें बच्चे का सिर नीचे आने की प्रक्रिया बाधित हो जाती है। इसी कारण अंतिम समय में ऑपरेशन का निर्णय लिया गया, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी और वह मृत अवस्था में पैदा हुआ।

अहीर यादव समाज की नई कार्यकारिणी की घोषित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के बरखेड़ी क्षेत्र में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में अहीर यादव समाज द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेन्द्र यादव (मोहनिया) के नेतृत्व में समाज के युवा साथियों एवं वरिष्ठ सदस्यों के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समारोह की विषेश आकर्षण फूलों की होली रही, जिसमें सभी ने एक-दूसरे पर पुष्पवर्षा कर होली का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। समाज के विकास, एकता और संगठन को मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। इसी क्रम में धर्मशाला के लिए भूमि खरीदने के विषय पर धर्मशाला समिति के सचिव विशाल यादव एवं कोषाध्यक्ष विनोद यादव ने समाज के लोगों से प्राप्त निधि की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में पूर्व अध्यक्ष प्रेम नारायण पटेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारा और अधिक मजबूत होता है।

अंतर प्रांतीय सिंधी साहित्य सम्मेलन आयोजित

सिंधी साहित्य विकास ही नहीं बल्कि रोजगार प्राप्ति का भी बन सकता है महत्वपूर्ण माध्यम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सिंधी साहित्य में अनुवाद की अपार संभावनाएं हैं और यह केवल साहित्यिक विकास ही नहीं बल्कि रोजगार प्राप्ति का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

यह बात मुख्य वक्ता रश्मि रामानी ने दो दिवसीय अंतरप्रांतीय सिंधी साहित्य सम्मेलन के समपान अवसर पर आयोजित सत्र में कही। उन्होंने इस क्षेत्र में अधिक कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस सत्र की भूमिका डॉ. नादिया मसंद ने प्रस्तुत की, जबकि अध्यक्षता अशोक मनवानी ने की। सिंधी साहित्य अकादमी, मप्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में देशभर के साहित्यकारों ने विभिन्न सत्रों में सिंधी साहित्य के विकास, उसकी परंपराओं और आधुनिक संभावनाओं पर सार्थक चर्चा की। 'सिंधी साहित्य में महिला विमर्श' विषय पर डॉ. विम्मी सदारंगानी ने कहा कि सिंधी साहित्य में महिला को पुरुष विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी और सबला रूप में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि साहित्य में महिलाओं की परिवार और समाज में महत्वपूर्ण भूमिका को प्रमुखता से दर्शाया गया है। इस सत्र की भूमिका द्रौपदी चंदनानी ने और अध्यक्षता डॉ. कमला गोकलानी ने की। समापन सत्र में साहित्यकारों ने युवा लेखकों से साहित्य में नवाचार करने का आह्वान किया। निदेशक राजेश वाधवानी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन की सार्थकता तभी है जब इसमें हुए विचारों और विषयों को साहित्यिक रचनाओं में स्थान दिया जाए।

संतनगर

फ्लाईओवर विवाद, 8 गांवों का रास्ता बंद, ग्रामीणों ने मांगा अंडरपास

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भोपाल-इंदौर मार्ग पर स्थित खजूरी बायपास पर बन रहा 31 करोड़ रुपये का नया फ्लायओवर विकास के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए बड़ी मुसीबत लेकर आया है। 910 मीटर लंबे इस सिक्स-लेन फ्लायओवर के निर्माण से क्षेत्र के 8 से अधिक गांवों का सीधा संपर्क कटने की आशंका है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। फ्लायओवर बनने से बकानियां, खोरी, तुमड़ा, बरखेड़ा सालम, सुंदरम सिटी, धामनियां, राजनपुर और बखेड़ी पठान जैसे गांवों के निवासी प्रभावित होंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्य रास्ता बंद होने से उन्हें लगभग एक किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर गंतव्य तक पहुँचना होगा।

क्या है समस्याः उपज मंडी तक ले जाने के लिए भारी वाहनों को लंबा और असुरक्षित चक्कर काटना पड़ेगा। कॉलेज जाने वाली छात्राओं के लिए लंबा रास्ता असुरक्षित और समय खपाने वाला होगा। यह क्षेत्र पहले से ही दुर्घटना संभावित है, ऐसे में कनेक्टिविटी टूटने से हादसों का जोखिम और बढ़ जाएगा।

ग्रामीणों की मांगः ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों जनपद सदस्य सुरेश धाकड़, जिला पंचायत सदस्य अनिल हाड़ा और सरपंच अनिता जितेंद्र का कहना है कि 'अंडरपास का निर्माण'। उनका तर्क है कि यदि फ्लायओवर के नीचे से अंडरपास दिया जाता है, तो गांवों का आपसी संपर्क और शहर से जुड़ाव बना रहेगा। बता दे इस प्रोजेक्ट का निर्माण मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा किया जा रहा है और इसे 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है।

मेट्रो एंकर

एक्टर शेखर सुमन की प्रस्तुति ने जीता दिल, इंडीमूंस फेस्टिवल का समापन

'एक मुलाकात' में जिंदा हुई साहिर-अमृता की अधूरी प्रेम कहानी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रविन्द्र भवन के हंसध्वनी सभागार में रंगा थियेटर समूह द्वारा आयोजित इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल का समापन एक ऐसी प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने दर्शकों के मन में लंबे समय तक ठहरने वाली संवेदनाएं छोड़ दीं। अंतिम दिन मंचित नाटक 'एक मुलाकात' प्रेम और अधूरी इच्छाओं की ऐसी काव्यात्मक यात्रा बनकर सामने आया, जिसने सभागार को भावनाओं की भीगी आभा से भर दिया।

अभिनेता शेखर सुमन ने अपनी सधी हुई, संवेदनशील और गहराई से जुड़ी अभिनय शैली के माध्यम से दर्शकों को मानो शब्दों के उस संसार में ले जाया, जहां प्रेम का सबसे सच्चा रूप उसकी अधूरता में ही निहित होता है। उनके साथ मंच पर गीतिका त्यागी ने अमृता प्रीतम के रूप में एक मौन, मगर बेहद प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। नाटक की कथा दो महान रचनाकारों साहिर लुधियानवी और अमृता प्रीतम के उस अनकहे, अधूरे प्रेम पर आधारित है, जो समय, परिस्थितियों और सामाजिक सीमाओं के बीच कहीं ठहर कर भी बहता रहा। यह प्रस्तुति एक काल्पनिक मुलाकात के बहाने उन दो आत्माओं के भावनात्मक संवाद को जीवंत करती है, जो एक-दूसरे के बेहद करीब होते हुए भी नियति के हाथों दूर रह गए। पूरी कथा एक ही मुलाकात के इर्द-गिर्द बुनी गई है, लेकिन उसके भीतर भावनाओं के असंख्य रंग समाहित हैं। संवाद, शायरी और कविताओं के माध्यम से अनकहे प्रेम, तड़प, पछतावा और आत्मीय जुड़ाव की गहराइयों को बेहद खूबसूरती से उकेरा गया है। हिंदी, उर्दू और पंजाबी के शब्दों का संगम इस प्रस्तुति को एक अनूठी काव्यात्मक लय प्रदान करता है, जहां भाषा केवल माध्यम नहीं, बल्कि भावनाओं का सजीव सेतु बन जाती है। मंच पर साहिर का चरित्र जब अपनी शायरी के माध्यम से भीतर की वेदना को अभिव्यक्त करता है और दूसरी ओर अमृता का मौन ऊन बुनते हुए अपने भीतर के ज्वार को छिपाए रखता है, तब यह द्वंद्व दर्शकों के भीतर भी उतर जाता है। यह दृश्य नाटक की आत्मा बनकर उभरता है, जहां शब्दों से अधिक खामोशी बोलती है।

नाटक का चरम एक ट्रंक कॉल के साथ आता है, जो इस भावनात्मक संवाद को अचानक तोड़ देता है। साहिर के निधन का समाचार जैसे ही अमृता तक पहुंचता है, पूरा वातावरण एक गहरी शोकाकुल निस्तब्धता में डूब जाता है। अंत में साहिर के शब्द 'मेरी जिंदगी भर की सारी जमा पूंजी तो तुम्हारे पास थी अमृता...' दर्शकों के मन को भीतर तक छू जाते हैं और आंखों को नम कर जाते हैं। यह प्रस्तुति केवल एक प्रेम कथा नहीं, बल्कि उस एहसास का रंगमंचीय विस्तार है, जो अधूरा होकर भी पूर्ण प्रतीत होता है। संवेदनशील निर्देशन, प्रभावशाली अभिनय और काव्यात्मक अभिव्यक्ति के संयोजन ने 'एक मुलाकात' को एक अविस्मरणीय रंगानुभव बना दिया ऐसा अनुभव, जो खत्म होने के बाद भी दर्शकों के भीतर लंबे समय तक गूंजता रहता है।

पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने नारिमल नरयानी को याद किया

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भोपाल विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष, पूर्व पार्षद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नारिमल नरयानी को उनकी सातवीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर भावांजलि अर्पित की। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण ने, कांग्रेस नेता माधु चांदवानी और उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी कहा नरयानीजी एक ऐसी शख्सियत थीं जो जनता के अधिकारों एवं उनके हक़ के लिए चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो वह सड़क पर लड़ाई लड़ी। कार्यक्रम का संचालन महेश गुरबानी ने किया किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित समर्थ एमएसएमई विकसित मध्यप्रदेश की थीम कार्यक्रम को संबोधित किया।

प्रदेश की सबसे लंबी वाटर टनल का 85 प्रतिशत काम पूरा

मुख्यमंत्री करेंगे स्लीमनाबाद जलसुरंग का उद्घाटन, एनवीडीए की समीक्षा में हुआ मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की सबसे बड़ी और देश की सबसे लंबी स्लीमनाबाद वॉटर टनल का 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) की 270वीं बैठक में 11.952 किमी लंबी जल सुरंग इस प्रोजेक्ट को लेकर समीक्षा की गई। अगले कुछ महीनों में सीएम डॉ. मोहन यादव इसका उद्घाटन करेंगे। जिसके बाद बिना किसी बिजली खर्च के, कुदरती बहाव (ग्रेविटी) से नर्मदा का पानी विंध्य के ऊंचे पहाड़ों को पार कर जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को वित्तीय और प्रशासकीय बाधाएं दूर कर शीघ्र पूरा किया जाए। स्लीमनाबाद टनल के पूरे होने से नर्मदा का पानी सोन कछार तक पहुंचेगा।

बरगी परियोजना से 2.45 लाख हेक्टेयर में होगी सिंचाई

बरगी व्यपवर्तन परियोजना के माध्यम से जबलपुर, कटनी, सतना, मैहर, पन्ना और रीवा जिलों के 1450 गांवों में नर्मदा का पानी पहुंचेगा। इससे 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी। 197 किमी लंबी नहर, जिसकी क्षमता 227 क्यूमेक है। मुख्यमंत्री ने नर्मदा नियंत्रण मंडल और नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट लिमिटेड के संचालक मंडल की महत्वपूर्ण बैठकें लीं। बैठक का मुख्य फोकस सिंचाई परियोजनाओं की लागत को मंजूरी देने और कमांड क्षेत्र (सिंचाई का दायरा) बढ़ाने पर रहा। इन निर्णयों से प्रदेश में लाखों हेक्टेयर नई भूमि सिंचित हो सकेगी।

बैठक में हुए 7 बड़े फैसले

बरगी व्यपवर्तन परियोजना: इसे 7881.75 करोड़ रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इससे 2.45 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुनिश्चित होगी।

आईएसपी-कालिसिंध (फेज-2): इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए 5985.46 करोड़ रुपए की लागत को मंजूरी मिली, जिससे 1.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र कवर होगा।

आईएसपी-पावती (फेज-3 व 4): इसके लिए 5164.68 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसका लाभ 1,00,278 हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगा।

दूधी सिंचाई परियोजना: इस प्रोजेक्ट का दायरा अब और बढ़ गया है। कमांड क्षेत्र 55,410 से बढ़ाकर 60,828 हेक्टेयर किया है और लागत 1925.06 करोड़ रुपए मंजूर की गई है।

बदनावर व डोबी सिंचाई: बदनावर माइक्रो लिफ्ट के लिए 1952.71 करोड़ और सीहोर की डोबी सिंचाई के लिए 275.57 करोड़ की पुनरीक्षित स्वीकृति दी गई है।

खालवा उद्वहन सिंचाई: यहां भी सिंचाई का दायरा 35,110 से बढ़ाकर 37,490 हेक्टेयर किया गया है। इसके लिए 724.10 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

खण्डवा को नई सौगात- सेल्दामाल माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना को 42.95 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इससे जिले के 4 गांवों की 1410 हेक्टेयर भूमि प्यास बुझेगी।

एमपी में हर दूसरा व्यक्ति ले रहा मुफ्त का राशन

नौ करोड़ की आबादी में 5.38 करोड़ जनता है सरकारी अनाज के भरोसे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी की आधे से ज्यादा आबादी मुफ्त का अनाज ले रही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश में वर्तमान में 5,38,07,137 लोग मुफ्त राशन का लाभ उठा रहे हैं। यह आंकड़ा इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि राज्य की कुल अनुमानित आबादी (लगभग 9 करोड़) के लिहाज से देखें तो करीब 60 प्रतिशत आबादी अपनी खाद्य सुरक्षा के लिए पूरी तरह सरकारी मदद पर निर्भर है। यानी राज्य का हर दूसरा और तीसरा व्यक्ति आज गरीब कल्याण योजना का हितग्राही है।

नीति आयोग की जनवरी 2024 में जारी भारत में बहुआयामी गरीबी (मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया) रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 9 सालों (2013-14 से 2022-23) के दौरान मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। एक तरफ जहां सरकार का दावा है कि 2.30 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं, वहीं दूसरी तरफ 25 मार्च 2026 तक के आंकड़े बताते हैं कि एमपी के 5.38 करोड़ लोग आज भी मुफ्त राशन पर निर्भर हैं।

देश के 80 करोड़ गरीबों में एमपी की बड़ी हिस्सेदारी

राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों को देखें तो पूरे देश में कुल 79,40,02,614 लोग इस योजना के दायरे में हैं। इस बड़ी संख्या में अकेले मध्य प्रदेश के लाभार्थियों की हिस्सेदारी 6.78 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के बाद मध्य प्रदेश देश का पांचवां सबसे बड़ा राज्य है जहां मुफ्त राशन लेने वालों की तादाद सबसे ज्यादा है। सरकार ने अब इस व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, टीपीडीएस संशोधन आदेश 2025 के तहत अब हर 5 साल में ई-केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया इसलिए अपनाई जा रही है ताकि, अपात्रों को सूची से बाहर किया जा सके और केवल वास्तविक पात्र परिवारों को ही खाद्यान्न मिल सके। लाभार्थियों को जोड़ना और हटाना एक सतत प्रक्रिया है जो राज्यों की जिम्मेदारी है।

2050 स्थानों पर जाँच कर 2912 सिलेंडर किये गये जब्त : खाद्य मंत्री

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी) पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। भारत में कच्चे तेल का भी पर्याप्त भण्डार है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 2050 स्थानों पर जांच की गई तथा 2912 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए। साथ ही 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 325 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है, जिसमें 01 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं।

एमपी में महिला आत्मनिर्भरता की मुहिम को झटका

एक बगिया मां के नाम योजना में 5 जिले फिसड्डी, 32 से 41 प्रतिशत ही हुआ काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई एक बगिया मां के नाम परियोजना में प्रदेश के पांच जिले फिसड्डी साबित हुए हैं। यहां के प्रशासन की अरुचि की वजह से केवल 32 से 41 प्रतिशत तक ही काम हो सका है। इनमें टीकमगढ़, सिवनी, नर्मदापुरम, सतना और मुरैना जिले शामिल हैं।

संभागवार देखें तो भोपाल संभाग में सर्वाधिक 60 प्रतिशत काम हुआ और चंबल संभाग में 41 प्रतिशत काम ही हो पाया। इसे लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नाराजगी जताई है और पिछड़े जिले व संभागों को काम की गति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। खरगोन, सिंगरौली, रायसेन, बड़वानी और बालाघाट जिलों में कार्य की प्रगति बेहतर है, यहाँ 71 से 90 प्रतिशत तक काम हुआ है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल- बता दें, राज्य सरकार ने यह परियोजना पिछले साल 15 अगस्त से शुरू की थी। इसके तहत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर आधा से एक एकड़ में फलदार पौधे (आम, अमरूद आदि) लगाए जा रहे हैं। इसमें सरकार द्वारा तीन लाख रुपये तक की सहायता, फेंसिंग और सिंचाई की सुविधा मनरेगा परिषद के माध्यम से दी जा रही है।

इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की 31 हजार से अधिक महिलाओं को लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाए जाने थे। प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनतम 100 हितग्राहियों का चयन कर समूह की पात्र महिलाओं को बकायदा प्रशिक्षित किया गया।

ड्रोन और सैटेलाइट से अत्याधुनिक निगरानी

पौधारोपण की ड्रोन-सैटेलाइट इमेज और डैशबोर्ड से निगरानी की जा रही है। योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कंटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की गई। प्रदेश में पहली बार अत्याधुनिक तरीके से पौधारोपण के लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली गई है। इसके माध्यम से पौधारोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से किया गया है। पौधारोपण का कार्य बेहतर ढंग से हो इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया।

महिला उत्पीड़न पर गरमाई राजनीति

महिला कांग्रेस का आरोप- भाजपा नेताओं पर कार्रवाई से क्यों बच रही सरकार?

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में महिला उत्पीड़न के मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। पूर्व कानून मंत्री पीसी शर्मा की बहू और महिला कांग्रेस नेत्री रूपाली शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा तो देती है, लेकिन जमीनी हकीकत में महिलाओं के खिलाफ अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे। रूपाली शर्मा ने आरोप लगाया कि महिला उत्पीड़न के मामलों में भाजपा नेताओं के नाम बार-बार सामने आ रहे हैं, लेकिन सरकार कार्रवाई करने के बजाय चुप्पी साधे बैठी है। उन्होंने कुलदीप सिंह सेंगर, बृजभूषण शरण सिंह, संदीप सिंह और अतुल चौरसिया जैसे नेताओं का जिक्र करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। साथ ही आदिवासी महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों को भी गंभीर मुद्दा बताया।

प्रदेश में हालात इतने खराब

उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात इतने खराब हैं कि चलती गाड़ियों में दुष्कर्म जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार ठोस कदम उठाने में नाकाम दिख रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर क्यों अधिकतर मामलों में भाजपा नेताओं के नाम ही सामने आते हैं। रूपाली शर्मा ने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, जो सरकार की नाकामी को उजागर करता है।

डिजिटल शिक्षा पर संकट

6 हजार कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर 31 मार्च के बाद हटेंगे, ICT लैब पर लगेगा ताला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। नए शैक्षणिक सत्र से पहले ही कंप्यूटर शिक्षा ठप होने की आशंका बढ़ गई है। प्रदेशभर में कार्यरत करीब 6 हजार अतिथि कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर की सेवाएं समाप्त होने की स्थिति बन गई है। समग्र शिक्षा (सेकेंडरी एजुकेशन) के लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल से जारी आदेश के मुताबिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर की सेवाएं अब केवल 31 मार्च 2026 तक ही ली जाएंगी। पहले 30 अप्रैल तक सेवा जारी रखने के निर्देश थे, लेकिन 26 मार्च 2026 को जारी पत्र में इसे निरस्त कर दिया गया है। यह आदेश जिला शिक्षा अधिकारियों और परियोजना समन्वयकों को भेजा गया है।

जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्वीकृत बजट केवल मार्च 2026 तक ही उपलब्ध है। वर्ष 2026-27 के लिए अभी तक भारत सरकार से कोई नई स्वीकृति या दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। इसी कारण कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर की सेवाएं 31 मार्च के बाद जारी रखना संभव नहीं होगा। साथ ही यह भी कहा गया है कि 31 मार्च के बाद यदि किसी विद्यालय में इंस्ट्रक्टर कार्यरत पाए जाते हैं, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्राचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी की होगी।

लाखों की लैब, लेकिन जिम्मेदारी किसकी?

प्रदेश के स्कूलों में आईसीटी लैब पर लाखों रुपए खर्च किए गए हैं। हर जिले में बड़ी संख्या में कंप्यूटर लैब स्थापित हैं। ऐसे में इंस्ट्रक्टर हटने के बाद इन लैब के संचालन, रखरखाव और तकनीकी देखरेख को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के बिना छात्रों की डिजिटल शिक्षा प्रभावित होना तय है। कंप्यूटर विषय की पढ़ाई, प्रैक्टिकल और तकनीकी प्रशिक्षण पूरी तरह रुक सकता है, जिससे स्कूलों में आधुनिक शिक्षा व्यवस्था पर असर पड़ेगा। यदि समय रहते कोई समाधान नहीं निकला, तो नए शैक्षणिक सत्र से कई स्कूलों में आईसीटी लैब पर ताला लग सकता है। इससे न केवल छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी, बल्कि डिजिटल शिक्षा के लिए किया गया निवेश भी बेकार जाने का खतरा है।

अतिथि शिक्षकों ने उठाई आवाज

अतिथि कंप्यूटर इंस्ट्रक्टरों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि सरकार ने लाखों रुपए खर्च कर लैब तो बना दी, लेकिन अब उन्हें संचालित करने वाले ही हटा दिए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि सेवाएं जारी रखी जाएं और लैब के रखरखाव की स्पष्ट जिम्मेदारी तय की जाए।

कर चोरी को रोकना आसान होगा

विज्ञान भवन: बजट में संशोधनों से करदाताओं को मिलेगी राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय स्थित ज्ञान विज्ञान भवन आडिटोरियम में आइसीएआइ भोपाल शाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन देश भर के चार्टर्ड अकाउंटेंट और वित्तीय विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रख्यात चार्टर्ड अकाउंटेंट और कर विशेषज्ञ सीए विनोद गुप्ता (वीजी सर) रहे, जिन्होंने %केंद्रीय बजट 2026% के हालिया संशोधनों और नए आयकर ढांचे के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विनोद गुप्ता ने बताया कि नए यूनियन बजट में कुल 32 महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य कर प्रणाली को अधिक तर्कसंगत और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने बताया कि अब डिजिटल ट्रैकिंग और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से कर चोरी को रोकना आसान होगा, वहीं ईमानदार करदाताओं के लिए विवाद निवारण तंत्र को सरल बनाया गया है।

पेनल्टी और टैक्स के बोझ में कमी

एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि अब तक यदि कोई करदाता अपने खाते में जमा नकदी का स्रोत बताने में विफल रहता था, तो सरकार उस राशि का लगभग 86 फीसदी हिस्सा टैक्स और पेनल्टी के रूप में काट लेती थी। लेकिन एक अप्रैल से लागू होने वाले नए नियमों के अनुसार, स्रोत न बता पाने की स्थिति में केवल 30 फीसदी टैक्स ही काटा जाएगा। पेनल्टी और ब्याज के बोझ को कम कर सरकार ने सामान्य करदाताओं को बड़ी राहत दी है।

दोपहर मेट्रो

इंदौर बना खादी सप्लाई का हब, 20 हजार से ज्यादा का मिला ऑर्डर

प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में बढ़ी खादी चादरों की मांग

इंदौर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में खादी की चादरों की मांग बढ़ती जा रही है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिहाज से फायदेमंद मानी जाने वाली इन चादरों ने अब पारंपरिक कपड़ों की जगह लेना शुरू कर दिया है। इसी बढ़ती मांग के चलते इंदौर का खादी ग्रामोद्योग केंद्र प्रदेशभर के अस्पतालों के लिए सप्लाई हब के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। इस वर्ष केंद्र को 20 हजार से अधिक खादी चादरों का ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या करीब 18 हजार थी। अस्पताल प्रबंधन अब मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खादी उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

रोजगार के सृजन और बुनकरों की संख्या में वृद्धि- प्रदेश के अस्पतालों में बढ़ती खादी की चादरों की मांग में बढ़ोतरी का सीधा असर रोजगार पर भी पड़ा है। पहले जहां केंद्र के साथ मिलकर 35 बुनकर काम करते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 50 तक पहुंच गई है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं और पारंपरिक कारीगरों को स्थायी काम मिल रहा है। इंदौर के अलावा भोपाल, बुरहानपुर, मंदसौर आदि केंद्रों में कार्य हो रहा है।

पुलिसकर्मियों की पसंद भी बन रहा खादी

अस्पतालों में खादी की चादरों के अलावा अब पुलिसकर्मियों की पसंद भी खादी का कपड़ा बनता जा रहा है। पुलिसकर्मी अपनी यूनिफॉर्म खादी के कपड़े की बनवा रहे हैं। यह आरामदायक भी होती है। गर्मी के दिनों में इसमें पसीना आसानी से सूख जाता है। साथ ही त्वचा से संबंधित समस्याएं भी नहीं होती है। इसके अलावा गमछे, साड़ियां, शर्ट के कपड़े ऑर्डर भी आते हैं।

पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार खादी के चादरों की मांग बढ़ी है। यहां से चादर तैयार कर केंद्रीय खादी वस्त्रागार भोपाल भेजी जाती है। वहां से प्रदेशभर में इसकी सप्लाय की जाती है। खादी की मांग बढ़ने से रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।- गौरव राज सिंह, प्रबंधक

खादी की चादरों से मरीजों को होता है यह लाभ

विशेषज्ञों के मुताबिक खादी की चादरें कई दृष्टिकोण से अस्पतालों के लिए बेहतर विकल्प साबित हो रही हैं। खादी का कपड़ा प्राकृतिक रेशों, खासकर कपास से तैयार किया जाता है, जो त्वचा के लिए बेहद अनुकूल होता है। इससे मरीजों को एलर्जी या त्वचा में जलन जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है। खासतौर पर संवेदनशील त्वचा वाले मरीजों के लिए यह काफी राहतदायक साबित होती है।

इसके अलावा, खादी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी 'सांस लेने वाली' बनावट है। यह कपड़ा हवा के आवागमन को आसान बनाता है, जिससे मरीज को गर्मी कम लगती है और उसे अधिक आराम मिलता है। स्वच्छता के लिहाज से यह एक बड़ा लाभ है, क्योंकि इससे संक्रमण फैलने की संभावना भी कम हो जाती है।

लक्ष्य बड़ा, छोटी तैयारी

रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने गेहूं खरीदी का लक्ष्य बढ़ाकर 80 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। कागज पर यह फैसला किसानों के लिए खुशखबरी जैसा दिखता है। 2625 रुपए प्रति क्विंटल का प्रभावी समर्थन मूल्य और बोनस का प्रावधान सीधे तौर पर आय बढ़ाने का संकेत देता है। लेकिन जैसे जैसे इस नीति की परतें खुलती हैं, तस्वीर उतनी सरल नहीं दिखाई देती। असल सवाल यह है कि क्या सरकार इस बड़े लक्ष्य को संभालने के लिए तैयार भी है? सबसे बड़ी चिंता भंडारण व्यवस्था को लेकर है। आंकड़े साफ बताते हैं कि जरूरत 15.60 करोड़ बोरियों की है, जबकि उपलब्धता सिर्फ 5.50 करोड़ की। यानी लक्ष्य ऊंचा है, लेकिन उसे थामने के लिए 'थैला' छोटा पड़ रहा है। 4 करोड़ सिंगल यूज जूट बैग का टेंडर जरूर जारी हुआ है, पर यह समाधान समय पर जमीन पर उतर पाएगा या नहीं- यही असली परीक्षा है। इसी अनिश्चितता के चलते कुछ संभागों में खरीदी की तारीख आगे बढ़ने की संभावना भी बन रही है। दिलचस्प मोड़ यहां आता है- सरकार अब बड़े और मध्यम किसानों से खरीदी की सीमा तय करने पर विचार कर रही है। यह कदम व्यावहारिक मजबूरी से निकला हुआ लगता है, लेकिन इसके दूरगामी असर भी हो सकते हैं। जो किसान ज्यादा उत्पादन करते हैं, क्या वे खुद को सीमित महसूस नहीं करेंगे? क्या यह नीति उन्हें हतोत्साहित नहीं करेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि कृषि में उत्पादन बढ़ाने की बात अक्सर सरकार ही करती है। हालांकि, इस बार कुछ सुधारात्मक कदम भी ध्यान खींचते हैं। खराब स्टॉक वाले गोदामों को खरीदी केंद्र से बाहर रखना, किसानों को 25 किलोमीटर से ज्यादा दूरी न तय करनी पड़े- ये फैसले जमीनी स्तर की समस्याओं को समझने का संकेत देते हैं। छोटे खरीदी केंद्रों को बड़े केंद्रों में समाहित करने का निर्णय भी प्रबंधन को आसान बना सकता है। लेकिन पूरी कहानी का सार यही है- लक्ष्य बनाम तैयारी। अगर खरीदी 70 लाख टन के पार जाती है, तो मौजूदा संसाधनों के साथ हालात संभालना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में यह केवल गेहूं खरीदी का मसला नहीं रह जाता, बल्कि यह प्रशासनिक क्षमता और नीति निर्माण की परख बन जाता है। कुल मिलाकर, यह योजना एक दिलचस्प द्वंद्व पेश करती है- एक तरफ किसानों को बेहतर दाम देने की कोशिश, दूसरी तरफ सीमित संसाधनों की सच्चाई। अब देखना यह है कि सरकार इस संतुलन को कैसे साधती है। क्योंकि खेत से मंडी तक की यह यात्रा सिर्फ अनाज की नहीं, भरोसे की भी है।

महावीर जयंती पर विशेष

आज के अशांत युग में भगवान महावीर के सिद्धांतों की अमर प्रासंगिकता

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

मानव सभ्यता आज अभूतपूर्व विकास के शिखर पर खड़ी है, परंतु इसके साथ ही हिंसा, तनाव, लालच और असंतुलन भी बढ़ता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियों के बावजूद मनुष्य भीतर से अशांत और असंतुष्ट दिखाई देता है। ऐसे समय में भगवान महावीर के लगभग दो हजार छह सौ वर्ष पुराने सिद्धांत आज भी उतने ही प्रभावी और आवश्यक प्रतीत होते हैं। उनका संदेश केवल आध्यात्मिक उन्नति तक सीमित नहीं था, बल्कि वह एक संतुलित, शांत और नैतिक समाज की स्थापना का मार्ग भी दिखाता है।

भगवान महावीर ने पंचमहाव्रतों के माध्यम से जीवन को अनुशासित और सार्थक बनाने की दिशा प्रदान की। अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह केवल धार्मिक नियम नहीं हैं, बल्कि जीवन के ऐसे आधार हैं जो व्यक्ति को भीतर से मजबूत और समाज को बाहर से स्थिर बनाते हैं। अहिंसा का सिद्धांत आज के युग में सबसे अधिक प्रासंगिक है। आज विश्व के अनेक हिस्सों में संघर्ष और युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। समाज में भी छोटी छोटी बातों पर हिंसा बढ़ती जा रही है। ऐसे में महावीर का संदेश कि किसी भी प्राणी को मन, वचन और कर्म से कष्ट न पहुंचाया जाए, अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं है, बल्कि यह विचारों और शब्दों में भी करुणा का समावेश है। यदि व्यक्ति अपने भीतर करुणा विकसित कर ले, तो समाज में शांति स्वतः स्थापित हो सकती है। सत्य का पालन भी उतना ही आवश्यक है। आज के समय में झूठ, छल और स्वार्थ ने सामाजिक विश्वास को कमजोर किया है। महावीर ने सिखाया कि सत्य केवल बोलना ही नहीं, बल्कि ऐसा सत्य बोलना है जो हितकारी हो। सत्य का मार्ग कठिन अवश्य है, परंतु यही समाज को स्थिरता और विश्वास प्रदान करता है। जब व्यक्ति सत्य का अनुसरण करता है, तो उसके संबंध मजबूत होते हैं और समाज में पारदर्शिता बढ़ती है। अचौर्य का सिद्धांत लालच पर नियंत्रण का मार्ग दिखाता है। आज उपभोग और प्रतिस्पर्धा की भावना ने व्यक्ति को अधिक से अधिक प्राप्त करने की दौड़ में लगा दिया है। इस दौड़ में कई बार वह अनुचित मार्ग अपना लेता है। महावीर का यह सिद्धांत सिखाता है कि जो हमारा नहीं है, उसे प्राप्त करने का प्रयास भी नहीं करना चाहिए। यह विचार समाज में ईमानदारी और संतोष की भावना को बढ़ाता है। ब्रह्मचर्य का अर्थ केवल इंद्रिय संयम नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन और संतुलन बनाए रखना है। आज के तनावपूर्ण जीवन में मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास बनता जा रहा है। परिणामस्वरूप मानसिक अशांति और असंतोष बढ़ता है। यदि व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखे, तो वह मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त कर सकता है। यही संयम उसे सही निर्णय लेने में भी सहायता करता है। अपरिग्रह का सिद्धांत आज के समय में सबसे अधिक उपयोगी सिद्ध होता है। वर्तमान युग में उपभोग और संग्रह की प्रवृत्ति ने प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाल दिया है। पर्यावरण संकट, जल की कमी और प्रदूषण इसी का परिणाम हैं। महावीर ने सिखाया कि आवश्यकता से अधिक संग्रह नहीं करना चाहिए। यदि मनुष्य इस सिद्धांत को अपनाए, तो न केवल पर्यावरण की रक्षा संभव है, बल्कि समाज में संसाधनों का समान वितरण भी सुनिश्चित हो सकता है। महावीर का एक और महत्वपूर्ण सिद्धांत अनेकांत दर्शन है। इसका अर्थ है कि सत्य के अनेक पक्ष होते हैं। आज के समय में वैचारिक असहिष्णुता बढ़ती जा रही है। लोग अपने विचारों को ही अंतिम सत्य मानते हैं और दूसरों के विचारों को स्वीकार नहीं करते। इससे समाज में विभाजन और संघर्ष बढ़ता है। अनेकांत का सिद्धांत सिखाता है कि हर व्यक्ति का दृष्टिकोण अलग हो सकता है और उसे समझने का प्रयास करना चाहिए। यह विचार सहिष्णुता और संवाद की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

महावीर का संदेश जियो और जीने दो आज भी उतना ही सार्थक है। यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन जीने की संपूर्ण दिशा है। यदि हर व्यक्ति इस सिद्धांत को अपनाए, तो समाज में नफरत और हिंसा का स्थान प्रेम और सहअस्तित्व ले सकता है। यह संदेश हमें सिखाता है कि हम अपने अधिकारों के साथ दूसरों के अधिकारों का भी सम्मान करें। जैन धर्म की साधना पद्धति भी आज के समय में अत्यंत उपयोगी है। सामयिक का अभ्यास व्यक्ति को वर्तमान में जीना सिखाता है। इससे मन की चंचलता कम होती है और ध्यान केंद्रित होता है। प्रतिक्रमण आत्मविश्लेषण का माध्यम है। इसमें व्यक्ति अपने द्वारा किए गए गलत कार्यों पर विचार करता है और उन्हें सुधारने का संकल्प लेता है। इससे आत्मशुद्धि होती है और व्यक्ति बेहतर बनने की दिशा में अग्रसर होता है। उपवास का महत्व भी केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। यह शरीर और मन दोनों को शुद्ध करता है। उपवास से शरीर को विश्राम मिलता है और मन में अनुशासन आता है। इससे इच्छाओं पर नियंत्रण बढ़ता है और व्यक्ति आत्मसंयम की ओर अग्रसर होता है। आज के समय में जब अनियमित जीवनशैली के कारण अनेक रोग उत्पन्न हो रहे हैं, उपवास का अभ्यास स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भगवान महावीर के सिद्धांत कालातीत हैं। वे किसी एक युग या समाज के लिए नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए हैं। आज जब दुनिया अनेक संकटों से जूझ रही है, उनके विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करते हैं। यदि हम उनके संदेश को समझकर उसे अपने जीवन में उतारें, तो एक शांत, संतुलित और समृद्ध समाज की स्थापना संभव है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

मोदी राज में तेल ऊर्जा के बढ़ते संकट में भी आत्मविश्वास का राज

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

जर्मनी से एक पत्रकार मित्र ने फोन करके जानना चाहा कि युद्ध और वैश्विक तेल ऊर्जा संकट में भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा अधिक चिंता के बजाय आत्म विश्वास और जनता को भी विचलित न होने के लिए कहने का राज क्या है ? वैसे आधिकारिक दावे के लिए मैंने उन्हें सरकारी अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेने को कहा। लेकिन उनके आग्रह पर मैंने भारत की ऊर्जा क्षमताओं की कुछ पृष्ठ्भूमि तथा हाल के वर्षों में तेल पेट्रोल गैस आदि के लिए हुई तैयारियों की अपनी जानकारियों को उनसे शेयर किया। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत विश्व के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 85% आयात करता है। ऐसे में खाड़ी देश–जैसे संयुक्त अरब अमीरात , सऊदी अरब , ओमान , कुवैत भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार रहे हैं। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियाँ पिछले कई दशकों से इन देशों के साथ तेल आपूर्ति , खोज और निवेश के समझौते करती रही हैं।

आज भारत केवल तेल खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि खाड़ी देशों के साथ निवेशक, साझेदार और ऊर्जा रणनीतिक सहयोगी बन चुका है। भारत ने पिछले एक दशक में ऊर्जा कूटनीति को नए स्तर पर पहुँचाया है। वहीं अफ्रीका में भारत ने दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में ' वैश्विक खिलाड़ी ' बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारत ने ऊर्जा कूटनीति को अपनी विदेश नीति का केंद्रीय तत्व बनाया। जहाँ एक ओर खाड़ी देश दशकों से भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अफ्रीका ने 'ऊर्जा विविधीकरण' के लिए एक नया अवसर प्रदान किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इन दोनों क्षेत्रों में अपने संबंधों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इस दूरगामी नीति के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

1970-90 के दशक में भारत और खाड़ी देशों के बीच संबंध मुख्यतः 'तेल खरीद' तक सीमित थे।भारत कच्चा तेल खरीदता था निवेश या उत्पादन में भागीदारी बहुत कम थी। भारतीय कंपनियों की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति सीमित थी। 2000 के बाद भारत ने रणनीति बदली और ऊर्जा सुरक्षा के लिए विदेशों में तेल क्षेत्रों में हिस्सेदारी लेना शुरू किया। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने विदेशों में निवेश बढ़ाया। मोदी सरकार आने के बाद 20014 से 2026 रणनीतिक साझेदारी का नया दौर शुरु हुआ। कार्यकाल में भारत-खाड़ी ऊर्जा संबंधों में बड़ा बदलाव आया। अब संबंध केवल खरीद तक सीमित नहीं रहे, बल्कि निवेश, भण्डारण और गैस के संयुक्त उत्पादन के काम होने लगे। संयुक्त अरब अमीरात के साथ ऐतिहासिक समझौते हुए। 2018 में भारतीय कंपनियों को ऑयलफील्ड में 10% हिस्सेदारी मिली। यह पहला मौका था जब भारत को खाड़ी में उत्पादन में भागीदारी मिली। यह समझौता 40 वर्षों के लिए है। यह भारत के लिए इस दृष्टि से क्रन्तिकारी है , क्योंकि केवल खरीददार के बजाय वह उत्पादक भी बन गया। इसी तरह संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी एडनॉक ने भारत के मैंगलोर में सुरक्षित तेल भंडारण में समझौता किया । भारत को आपातकालीन ऊर्जा सुरक्षा मिली। इसी तरह एडनॉक और भारतीय पब्लिक सेक्टर कंपनियों बीच इसी 2026 में 14 साल का एलएनजी ऑफटेक डील हुई । 2024 में क्रिटिकल मिनरल्स के लिए समझौते हुए । सऊदी अरब और ओमान के एलएनजी के लिए दीर्घकालिक समझौते। कुवैत भारत को स्थिर कच्चा तेल देता है । भारत और खाड़ी देशों के बीस7कुल मिलाकर 15-20 से अधिक प्रमुख ऊर्जा समझौते हैं ।

इन समझौतों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक रही। खाड़ी देशों के साथ राजनीतिक विश्वास बढ़ाया। पिछले एक दशक 2014-2025 में लगभग 35-45 अरब अमेरिकी डॉलरकुल विदेशी ऊर्जा निवेश हुआ। अफ्रीका में 20-25 अरब डॉलर , खाड़ी देशों में 10-15 अरब डॉलर और एलएनजी तथा गैस प्रोजेक्ट्स में 10 अरब डॉलर हुआ। वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के वर्तमान दौर में भारत एक संतुलित कूटनीतिक रणनीति अपना रहा है। एक ओर भारत की निजी और सार्वजनिक कंपनियाँ अमेरिका जैसे विकसित देशों में निवेश बढ़ा रही हैं, वहीं दूसरी ओर रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को भी मजबूती से बनाए रखा गया है।हाल ही में रिलायन्स इंडस्ट्रीज द्वारा अमेरिका में रिफाइनरी और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की योजनाओं ने इस संतुलन को और स्पष्ट किया है।यह संकेत है कि भारतीय कंपनियाँ अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में प्रवेश कर रही हैं।अमेरिका से एलएनजी आयात में वृद्धि और तेल तथा गैस टेक्नोलॉजी सहयोग भारत के लिए निवेश का प्रमुख स्रोत बन गया है। रूस के साथ संबंध ऊर्जा सुरक्षा का आधार। 2022 के बाद रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बना। भारत ने रियायती दरों का लाभ उठाया। रिफायनरी के बाद निर्यात का लाभ भी उठाया है। दूसरी तरफ भारत और ईरान के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत पुराने और गहरे रहे हैं। एक समय ईरान भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक परिस्थितियों ने इन संबंधों को जटिल बना दिया। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ईरान के साथ 'सीमित लेकिन रणनीतिक संबंध' की नीति अपनाई। 2018-19 तकःझभारत ने ईरान से लगभग 12 अरब डॉलर से अधिक का तेल आयात किया। ईरान भारत का प्रमुख सप्लायर था। 2019 के बाद अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत ने ईरान से तेल आयात लगभग बंद कर दिया। लेकिन 2026 में भारत ने वर्षों बाद ईरान से एलपीजी गैस की पहली खेप खरीदी। भुगतान रुपये में किया गया। चाबहार पोर्टः भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक परियोजना है। इसका उद्देश्यअफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधा मार्ग तथा पाकिस्तान को बायपास करना। 2016 में त्रिपक्षीय समझौता हुआ। 10 वर्ष का संचालन अनुबंध है। यह परियोजना ऊर्जा से अधिक 'भू-राजनीतिक' महत्व रखती है।2026 तक भारत इस परियोजना को जारी रखने की रणनीति बना रहा है, भले ही प्रतिबंधों का दबाव हो।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

ओवेरियन कैंसर को मानते हैं 'साइलेंट किलर', प्रभावी होता है शुरूआती स्टेज में इलाज

ओवेरियन कैंसर को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है। ऐसा नहीं है कि इसके लक्षण नहीं होते, बल्कि इसके शुरुआती संकेत इतने हल्के, मामूली या डायजेस्टिव व हॉर्मोनल प्रोब्लम का कंफ्यूजन पैदा करने वाले होते हैं कि अक्सर चकमा दे देते हैं। डॉक्टरी की अपनी प्रैक्टिस में मैंने महिलाओं में होने वाली इस खतरनाक बीमारी का निदान एडवांस स्टेज में होते देखा है। क्योंकि इसकी चेतावनी देने वाले लक्षण काफी सामान्य होते हैं। जिसकी वजह से इन्हें अन्य समस्याओं से जोड़कर देख लिया जाता है। इन लक्षणों को वक्त रहते पहचानकर ओवेरियन कैंसर का प्रभावी इलाज हो सकता है।

भोजन के बाद कभी-कभी होने वाली ब्लोटिंग सामान्य होती है। हालांकि, अगर किसी महिला को हमेशा पेट में भारीपन या सूजन महसूस होती रहती है, जो ठीक नहीं होती तो यह एक भारी चेतावनी हो सकती है। सामान्य ब्लोटिंग से हटकर पेट फूलने की यह समस्या हफ्तों तक लगातार बनी रहती है और धीरे-धीरे गंभीर होती जाती है। पेट के निचले हिस्से या पेल्विक एरिया में होने वाले दर्द या तकलीफ को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। महिलाएं अक्सर इस दर्द को मेंस्ट्रुअल पेन या डायजेस्टिव डिस्कंफर्ट समझ लेती हैं। लेकिन अगर यह दर्द लगातार बना हुआ है और कोई वजह समझ नहीं आ रही तो डॉक्टर से तुरंत कंसल्ट कर लेना चाहिए। कब्ज, डायरिया या अनियमित बॉवल मूवमेंट जैसी पेट की दिक्कतें ओवेरियन कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकती हैं।

बेवजह वजन घटना या बढ़ना: वजन घटना या पेट में पानी इकट्ठा होने की वजह से वजन बढ़ना भी इस कैंसर के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। अगर आपके वजन में अचानक इस तरह का बदलाव आया है तो उसे इग्नोर ना करें और डॉक्टर से परामर्श जरूर करें। वक्त थकान महसूस होती है तो ओवेरियन कैंसर का संकेत हो सकता है, इसलिए डॉक्टर से जरूर बात करें। शरीर के अंदरुनी बीमारी के लड़ने की वजह से यह थकान होती है, जो आराम करने के बाद भी कम नहीं होती।

किन महिलाओं को अधिक खतरा?: 50 से ज्यादा उम्र वाली और खासकर मैनोपॉज के बाद वाली महिला को तथा ओवेरियन, ब्रेस्ट या कोलोरेक्टल कैंसर का पारिवारिक इतिहास होने पर खतरा ज्यादा होता है। इसके अलावा जेनेटिक म्यूटेशन होने पर और कैंसर की पर्सनल हिस्ट्री होने पर। कभी गर्भवती ना होने वाली महिलाओं को। ओवेरियन कैंसर का निदान करने वाला कोई विश्वासजनक स्क्रीनिंग टेस्ट अधिकतर महिलाओं तक उपलब्ध नहीं है। ओवरी पेट के काफी अंदर मौजूद होती हैं, जिसकी वजह से इनमें विकसित होने वाला ट्यूमर अक्सर रूटीन एग्जाम में पता नहीं चलता है।

अगर लक्षण महीने में 10 से 12 बार या इससे ज्यादा बार परेशान करते हैं तो डॉक्टर को दिखा लेना चाहिए।

सुविचार

सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए।
–अज्ञात

निशाना

गरीब अपनी आबरू...!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

लोगों की जड़ें देखिये उखाड़ रहे हैं,
और कह रहे हैं जिंदगी संवार रहे हैं,
ये गहरे गड्ढे आप जहाँ देख रहे हो,
ऊँचे- ऊँचे कभी वहाँ पहाड़ रहे हैं,
हरियाली बिना धरती हुई है उदास,
यहाँ कभी ऊँचे पेड़ घने झाड़ रहे हैं,
एक दिन वो बीज पेड़ बनके उगेगा,
सत्य को ज़मीन में जो गाड़ रहे हैं,
गरीब अपनी आबरू ढँक रहा कैसे,
उसके भी लोग कपड़े यहाँ फाड़ रहे हैं,
गूँगे हैं लोग अपनी शिकायत क्या करें,
इलज़ाम है उनपे की वे दहाड़ रहे हैं।

गैजेट अपडेट

सैमसंग लाया नए और दमदार ईयरबड्स बदल जाएगा सुनने और बात करने का अनुभव

बेस्ट ईयरबड्स को लेकर अब तक ऐपल के लेटेस्ट Airpods प्रो मॉडल का नाम ही आता था था। लेकिन अगर आपको एक बार भी Samsung Buds Pro 4 कानों में लगाने को मिल जाएं, तो आपका इरादा कुछ और होगा। दरअसल Samsung Buds Pro 4 की बिल्ड से लेकर साउंड क्वालिटी इतनी जबरदस्त है कि इनके आगे फिलहाल किसी भी तरह के बड्स टिक नहीं सकते।

अब बात चाहे इनके बिल्कुल नए फ्यूचरिस्टिक ट्रांसपेरेंट डिजाइन की हो या फिर कानों में उस परफेक्ट फिट की, जिसके लिए सैमसंग के पुराने मॉडल्स अक्सर संघर्ष करते दिखे हैं, इस बार Samsung Buds Pro 4 के साथ कहानी पूरी तरह बदल चुकी है। इनमें मौजूद डुअल ड्राइवर्स और अब तक का सबसे इम्पैक्टफुल Active Noise Cancellation आपको एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां सिर्फ आप होते हैं और आपका म्यूजिक होता है। इसकी स्टाइलिश डिजाइन पिछली जेनरेशन के बड्स से बिलकुल अलग और बेहतर हैं।

बड्स का डिजाइन भी बदला है और अब स्क्वायर स्टेम और ब्रश मेटल फिनिश इसमें दी गई है। इसकी वजह से अब जेस्चर कंट्रोल करना पहले से कहीं ज्यादा आसान और सटीक हो गया है। Samsung Buds Pro 4 को पहली बार कानों में लगाते ही समझ में आता है कि ये आपके कानों में इस तरह बैठ जाते हैं, जैसे कि आपके कानों के लिए ही बनें हों। इनका बेस आपको चौंकाएगा भी और म्यूजिक की क्वालिटी को खराब भी नहीं करेगा।

Galaxy Buds 4 Pro का जादू दोगुना बढ़ जाता है इसके ANC फीचर के साथ। इस बार ये इतना पॉलिश्ड और स्ट्रांग है कि शोर-शराबे वाले माहौल को पल भर में 'पिन-ड्रॉप साइलेंस' में बदल देता है। इसे मैने अपने शोर करने वाले कूलर के बगल में खड़े होकर भी टेस्ट किया और उस समय अंदाजा लागाना मुश्किल था कि कूलर चल रहा है या नहीं। मैं इससे पहले तक बेस्ट ANC के लिए Airpods Pro सजेस्ट करता था, लेकिन अब मेरी सलाह में पहला नाम Galaxy Buds 4 Pro का होगा। इसके अलावा बात करने या आस-पास सायरन की आवाज सुनने पर म्यूजिक और ANC को बंद कर देने का ऑटोमैटिक फीचर भी कमाल है। इन्हें पहने हुए भी आप आसानी से किसी से बात कर सकते हैं, वो भी म्यूजिक को बंद किए बिना। इसके अलावा हेड डिटेक्शन फीचर भी काफी प्रैक्टिकल है, जो कि काम करते हुए फोन कॉल रिसीव या रिजेक्ट करने के लिए मुझे बहुत काम का लगा। अब वायरलेस ईयरबड्स पर 23 हजार खर्चने हैं या नहीं ये आपके बजट पर निर्भर करता है।

अजब - गजब

कार-बाइक छोड़ घोड़ी पर सवार होकर डॉक्टर के पास पहुंचा मरीज, वीडियो बनाने लगे लोग

मध्य प्रदेश के खंडवा में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने हर किसी को चौंका दिया। शहर की सड़कों पर जहां आमतौर पर लोग बाइक, कार या ऑटो से आते-जाते नजर आते हैं, वहीं एक युवक घोड़े पर सवार होकर डॉक्टर के पास पहुंच गया। यह नजारा जिसने भी देखा, कुछ देर के लिए ठहर गया। दरअसल खंडवा के घासपुर इलाके में रहने वाले अल्फेज मंसूरी अपने अनोखे अंदाज के चलते सुर्खियों में आ गए। बताया जा रहा है कि उन्हें पेट में गैस और एसिडिटी की समस्या हो रही थी। ऐसे में उन्होंने डॉक्टर के पास जाने का सोचा लेकिन गाड़ी निकालने के बजाय उन्होंने घोड़ी को ही तैयार कर लिया। उनका कहना है कि जब घोड़ी खड़ी ही है, तो क्यों न उसी से चला जाए। इससे घोड़ी का घूमना भी हो जाएगा और उनका काम भी हो जाएगा। कई लोग हैरान थे कि आज के दौर में कोई इस तरह घोड़े पर बैठकर डॉक्टर के पास जा सकता है। कुछ लोगों ने तो मोबाइल निकालकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया और यह नजारा सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गया।

अल्फेज मंसूरी का कहना तह कि पेट में गैस और एसिडिटी की शिकायत होने पर वह डॉक्टर अनिल पटेल के पास इलाज कराने पहुंचे थे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि पेट्रोल भी महंगा हो गया है और घोड़े को भी घुमाना जरूरी है। तो सोचा एक ही बार में दोनों काम हो जाएं। अल्फेज ने बताया कि उनके पास कुल 4 घोड़े-घोड़ियां हैं, जिनके नाम भी बड़े दिलचस्प हैं। बादशाह, रानू, रोशनी और काजल। इनमें बादशाह सबसे खास है, जो करीब पांच साल से उनके पास है. वहीं रानू करीब 10 साल, रोशनी 9 साल और काजल 7 साल से परिवार के साथ हैं।

उन्होंने बताया कि ये सभी घोड़े उनके लिए सिर्फ जानवर नहीं बल्कि परिवार के सदस्य जैसे हैं। उनका परिवार पीढ़ियों से घोड़ों का कारोबार करता आ रहा है। शकील मंसूरी, अशफाक मंसूरी, अशरफ मंसूरी और जुनेद मंसूरी मिलकर इस काम को आगे बढ़ा रहे हैं। यह उनका पुश्तैनी व्यवसाय है और अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी इसी काम में जुड़ी हुई है। कई लोग फोटो और वीडियो बनाने लगते हैं लेकिन उनके लिए यह बिल्कुल सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हम बचपन से ही घोड़ों के बीच पले-बढ़े हैं, इसलिए घोड़े पर बैठना हमारे लिए उतना ही आम है, जितना किसी के लिए बाइक चलाना। वहीं जिस डॉक्टर के पास वह इलाज कराने पहुंचे थे, उन्होंने भी इस पूरे मामले को सामान्य बताया। डॉक्टर अनिल पटेल ने कहा कि यह परिवार पिछले करीब 18 सालों से उनके पास इलाज के लिए आता रहा है। जब अल्फेज छोटे थे, तब से वह उनके पास आ रहे हैं और कई बार घोड़े से ही क्लीनिक पहुंचे हैं।

गुना की घटना: युवती से रेप के आरोप में पुलिस ने पति-पत्नी व देवर को किया गिरफ्तार

पति कमरे में युवती से करता ज्यादती और पत्नी गेट पर देती थी पहरा

आरोपी महिला के घर में ब्यूटी पार्लर का काम सीखने जाती थी युवती

गुना। दोपहर मेट्रो

गुना में एक 22 साल की युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। हैरानी की बात ये है कि इस वारदात में एक महिला भी शामिल है जो कि खुद अपने पति से युवती का रेप कराती थी। आरोपी महिला ब्यूटी पार्लर संचालिका है और पीड़ित युवती उसके पास ब्यूटी पार्लर का काम सीखने के लिए जाती थी। पीड़िता का आरोप है कि ब्यूटी पार्लर संचालिका उसे पति के कमरे में जबरदस्ती भेजने के बाद खुद बाहर दरवाजे पर पहरा दिया करती थी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति-पत्नी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए पीड़िता ने बताया है कि वो ब्यूटी पार्लर का काम सीखने के लिए गुलाबगंज में रहने वाली यास्मीन खान के यहां जाती थी। यास्मीन का पति शरीफ खान भी अक्सर वहां पर मौजूद रहता था। करीब चार महीने पहले यास्मी ने उसे काम के बहाने घर बुलाया था। जब वो घर वो घर पहुंची तो यास्मीन घर पर नहीं थी और उसका पति शरीफ घर में मौजूद था। वो घर पर यास्मीन के आने का इंतजार कर रही थी इसी दौरान आरोपी शरीफ ने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और धमकी दी कि अगर किसी को कुछ तो बताया तो बदनाम कर देगा और जान से मार देगा। आरोपी की धमकी से डरकर वो चुप रही और किसी को भी घटना के बारे में नहीं बताया।

युवती को कॉल कर बुलाती थी घर

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसने कुछ दिन बाद जब यास्मीन को उसके पति शरीफ की काली करतूत के बारे में बताया तो यास्मीन ने नजरअंदाज करते हुए कहा कि किसी को कुछ मत बताना इसके बाद यास्मीन भी अपने पति के मंसूबों में उसका साथ देने लगी और उसे कई बार फोन पर घर बुलाया और धमकाकर पति के साथ कमरे में भेजा। पीड़िता के मुताबिक कमरे में यास्मीन का पति शरीफ उसके साथ ज्यादती करता था और यास्मीन कमरे के गेट पर पहरा देती रहती थी।

विरोध करने पर की हाथापाई

शनिवार को भी आरोपियों ने उसे घर पर बुलाया था। जब वो घर पहुंची तो घर पर यास्मीन उसका पति शरीफ और देवर मुबीन खान थे। घर पहुंचते ही शरीफ उसे जबरदस्ती कमरे में ले जाने लगा जिसका उसने विरोध किया और हाथापाई में शरीफ गिरकर घायल हो गया। इसी बीच पीड़िता के परिजन को खबर लगी तो वो यास्मीन के घर पहुंचे और अपने साथ मुझे थाने लेकर पहुंचे जहां शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी यास्मीन और शरीफ के साथ ही देवर मुबीन के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

न्यूज विंडो

आस्था के बाद जिम्मेदारी भी जरूरी, क्योंकि बेतवा भी हमारी

गंजबासौदा। श्रमदान दल गंजबासौदा के तत्वावधान में चलाए जा रहे साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के तहत रविवार को बेतवा नदी तट पर 25वाँ चरण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने नदी स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा वही है जो प्रकृति और नदियों की पवित्रता बनाए रखने में सहायक बने। अभियान के दौरान श्रमदानियों ने नदी किनारे से बड़ी मात्रा में कचरा एकत्रित किया। इसमें पूजन सामग्री, प्लास्टिक बैग, फोटो फ्रेम, धार्मिक तस्वीरें, घड़ियाँ, पीओपी की मूर्तियाँ, कांच की चूड़ियाँ, धार्मिक पुस्तकें, शादी के कार्ड, व्यावसायिक किताबें तथा विभिन्न प्रकार के पर्चे शामिल रहे। यह स्थिति दर्शाती है कि धार्मिक आस्था के नाम पर अनजाने में नदी को प्रदूषित किया जा रहा है। नवरात्र समापन के बाद नदी में विसर्जित किए गए ज्वारों को भी श्रमदान दल ने बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर एकत्र किया। इन्हें पानी में सड़ने से बचाते हुए गौ माता के लिए चारे के रूप में उपयोग करने की पहल की गई। इस प्रयास से नदी संरक्षण के साथ गौ सेवा का भी संदेश दिया गया। श्रमदान दल ने बताया कि नवरात्रि के बाद सामान्य दिनों की अपेक्षा इस बार अधिक कचरा मिला, जो समाज के लिए चिंता का विषय है। दल ने नगरवासियों से अपील की कि धार्मिक आस्था के साथ-साथ नदियों की स्वच्छता बनाए रखने का भी संकल्प लें। अभियान में सूर्य प्रताप सिंह राजपूत, अंशुल शर्मा, रुद्रांश सिंह, दीपेश शर्मा, राकेश रघुवंशी, दिनेश चौरसिया और आकाश जैन सहित बाल श्रमदानी नक्ष राजपूत, अभिनव शर्मा, अरनब रघुवंशी एवं जैत्र राजपूत ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सोते-सोते इंजीनियरिंग छात्र की सांसें थम गईं, काला पड़ गया शरीर का हिस्सा

बैतूल। बैतूल से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक दोपहर में सोने के लिए गया था और कमरे में सो रहा था इसके बाद जब शाम को छोटा भाई उसे जगाने पहुंचा तो देखा कि सांसें थम चुकी थीं। युवक के शरीर का हिस्सा काला पड़ गया था, घटना का पता चलते ही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की। युवक की मौत कैसे हुई फिलहाल इसका पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि सांप के काटने के कारण युवक की मौत हुई है। कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाला युवक प्रकाश उइके (28) की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन के मुताबिक घर में किराना की दुकान है। बड़ा भाई राजू कुछ सामान लेने के लिए घर से बाहर गया था और प्रकाश और उसके चाचा का बेटा घर पर थे। दोपहर में प्रकाश सोने की बात कहकर कमरे में गया और सो गया। शाम को बड़ा भाई राजू घर लौटा और शाम 7 बजे तक जब प्रकाश कमरे से बाहर नहीं आया तो राजू ने चाचा के लड़के को प्रकाश को जगाने के लिए कमरे में भेजा।

सजगता से उजागर हुई जिम्मेदारों की लापरवाही

समय से पहले बंद मिले स्कूल, संकुल प्रभारी ने कार्रवाई सुनिश्चित करने की कही बात

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार की बेहतर शिक्षा की मंशा पर पानी फेरने वाले लापरवाह शिक्षकों की पोल अब सजग मीडिया के जरिए खुल रही है। सिमरोदा स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में चल रही अव्यवस्थाओं को जब पत्रकारों ने मौके पर जाकर देखा, तो वहां शिक्षा के मंदिर पर समय से पहले ही ताला लटका मिला। इस गंभीर लापरवाही की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी गई, जिस पर अब कड़ी कार्रवाई करने की बात कही गई है।

जमीनी हकीकत जानने पहुंचे पत्रकारों की टीम उस वक्त हैरान रह गई, जब दोपहर करीब 1:30 बजे ही स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला जड़ा हुआ था। नियमानुसार स्कूल का समय अभी बाकी था, लेकिन परिसर में न कोई शिक्षक था और न ही छात्र। विद्यालय में लगभग 100 बच्चे नामांकित हैं, जिनका भविष्य इन बंद दरवाजों के पीछे अंधकारमय हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, एक शिक्षिका उपस्थित तो हुईं, लेकिन निर्धारित समय से घंटों पहले ही स्कूल बंद कर विदा हो गईं। अन्य शिक्षकों की अनुपस्थिति ने विभाग की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों ने खोली रोटेशन की पोल

पत्रकारों से चर्चा के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने दबी जुबान में बताया कि यहाँ शिक्षकों ने अपनी सुविधा के अनुसार एक दिन तुम-एक दिन हम का अघोषित रोटेशन बना रखा है। अक्सर एक शिक्षक आता है तो दूसरा गायब रहता है। बारी-बारी से अनुपस्थित रहने के इस खेल के कारण बच्चों का शैक्षणिक स्तर लगातार गिर रहा है।

जिम्मेदारों को नोटिस जारी कर होगी सख्त कार्रवाई

सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों तक तब ही पहुंचेगा जब शिक्षक अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। पत्रकारों की इस सक्रियता ने न केवल विभाग को आईना दिखाया है, बल्कि उन बच्चों के भविष्य के लिए भी उम्मीद जगाई है जो इन लापरवाहियों के बीच अपनी पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अब देखना यह है कि नोटिस के बाद विभाग दोषियों पर कितनी प्रभावी कार्रवाई करता है। जैसे ही यह पूरा मामला पत्रकारों के माध्यम से संकुल प्रभारी संतोष दुबे (चिकलोद कला) के संज्ञान में लाया गया, उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की बात कही। चिकलोद कला संकुल प्रभारी संतोष दुबे ने बताया कि आपके द्वारा दी गई जानकारी अत्यंत गंभीर है। शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक शाला के समय से पहले बंद मिलने और शिक्षकों की अनुपस्थिति पर संबंधितों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जायेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त विभागीय कार्रवाई होगी। शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भोजशाला सर्वे विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद के विवाद मामले में हिंदू फ्रंट फार जस्टिस की मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में लगी याचिका पर आगामी 02 अप्रैल को सुनवाई होने वाली है। इसी बीच खबर सामने आई है कि, हाईकोर्ट की सुनवाई से पहले इस केस के मुस्लिम पक्षकार कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी है।

कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष की ओर से दिए गए आवेदन में कहा गया है कि, हाई कोर्ट में 11 मार्च को उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर 16 मार्च को सुनवाई ही नहीं की गई। उनकी ओर से कोर्ट में प्रस्तुत आवेदन के जरिए मुख्य रूप से मांग की गई थी कि, भोजशाला में किए गए सर्वेक्षण की वीडियोग्राफी के फुटेज उपलब्ध कराए जाएं। लेकिन, हाई कोर्ट ने उनकी इस मांग को ये कहते हुए खारिज कर दिया कि, उनकी याचिका सुनवाई योग्य ही नहीं है। इस कारण उन्हें सुप्रीम कोर्ट की शरण में आना पड़ा। अब मुस्लिम पक्षकार की ओर से दिए गए आवेदन में ये भी मांग की गई है कि, हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में 02 अप्रैल को प्रस्तावित सुनवाई से पहले यानी 01 अप्रैल को उनकी बात भी सुनी जाए। इस बेहद संवेदनशील मामले में पादरिता लाने के लिए पिछले दिनों मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के जजों ने खुद भोजशाला का निरीक्षण कर एएसआई की ओर से पेश की गई रिपोर्ट के तथ्यों को परखा है। इस दौरान जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच धार स्थित भोजशाला परिसर पहुंचे और तथ्यों का अवलोकन किया था।

इस दौरान उन्होंने सर्वे की सारी प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी ली थी। उन्होंने धार जिले के अधिकारियों से ये भी पूछा था कि, परिसर के अंदर मंगलवार और शुक्रवार को आयोजन कहां और किस तरह से किए जाते हैं।

खास-खास

- ऐतिहासिक भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद विवाद में आया नया मोड़।
- मुस्लिम पक्षकार कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका।
- सुप्रीम कोर्ट में दिए आवेदन के जरिए मुस्लिम पक्षकार ने भोजशाला में हुए सर्वे की वीडियोग्राफी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की है।
- आवेदक ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- हाईकोर्ट ने उनका यही आवेदन खारिज कर दिया था, इसलिए वो सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं।

दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत

जमीन को लेकर विवाद, बीजेपी पार्षद के परिवार पर हमला, दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

शाजापुर। दोपहर मेट्रो

जिले के शुजालपुर में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई है। एक पक्ष बीजेपी पार्षद का है और दूसरा उसके ताऊ के परिवार का है। बताया जा रहा है कि पुश्तैनी जमीन को लेकर चल रहे विवाद में ताऊ के परिवार ने बीजेपी पार्षद के परिवार पर सरेराह हथियारों से लैस होकर हमला बोल दिया और दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। करीब 15 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलते रहे जिसका वीडियो भी सामने आया है। घटना में बीजेपी पार्षद के भाई समेत 5 लोग घायल हुए हैं। दोनों पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

घटना अकोदिया-शुजालपुर मार्ग स्थित औद्योगिक क्षेत्र के सामने की है। बीजेपी पार्षद सईद पटेल का परिवार शुजालपुर सिटी के टीला क्षेत्र में रहता है, जबकि ताऊ का परिवार अकोदिया नाका स्थित वन विभाग कार्यालय के पास रहता है। दोनों पक्षों के बीच पुश्तैनी जमीन को लेकर विवाद पिछले 15 साल से चल रहा है। शनिवार को इसी जमीन के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई। मारपीट में बीजेपी पार्षद के बड़े भाई हाफिज पठान के सिर में गंभीर चोट आई है जिसके कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है जबकि चार अन्य लोग भी घायल हैं जिनमें एक को रेफर किया गया है।

मारपीट का वीडियो वायरल, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत

बीच सड़क पर हुई दो पक्षों के बीच हिंसक मारपीट का मौके पर मौजूद किसी शख्स ने मोबाइल से वीडियो भी बनाया है जिसमें दोनों पक्ष एक दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। बीजेपी पार्षद के पक्ष से जो शिकायत दर्ज कराई गई है उसमें लल्लू खां, समीर खां, हसीन खां, वसीम खां, आसू खां और रसूल खां के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। वहीं दूसरे पक्ष की शिकायत पर बीजेपी पार्षद सईद पटेल, हफीज, शादाब, साहिल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों के बयान लेकर मामले की जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर

भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

पाठशालाओं के बच्चों द्वारा तैयार धार्मिक झांकियां बनीं आकर्षण का केंद्र

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक महोत्सव पर नगर में सकल जैन समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पूरा आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। शोभायात्रा का शुभारंभ स्थानीय भगवान महावीर विहार से हुआ, जो महावीर मार्ग, सुभाष चौक, जय स्तंभ चौक, सावरकर चौक होते हुए गांधी चौक स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंची। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती कर पुष्पवर्षा से स्वागत किया।

शोभायात्रा में महिलाएं केसरिया वस्त्रों तथा पुरुष सफेद परिधान में शामिल हुए। नगर के विभिन्न सेवादल अपने घोष एवं वाद्य यंत्रों के साथ चलते हुए वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। मंगल प्रतीक अष्टप्रातिहार्य शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहे। इसके अलावा नगर की जैन बाल पाठशालाओं के बच्चों द्वारा तैयार धार्मिक झांकियां आकर्षण का केंद्र बनीं। महिला मंडलों ने भी एक समान ड्रेस कोड में धार्मिक प्रस्तुतियां देकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। शोभायात्रा में ऐरावत हाथी, अश्व रथ पर विराजमान सौधर्म इंद्र द्वारा भगवान की अगवानी का दृश्य भी विशेष रहा। शोभायात्रा के अंतिम भाग में भगवान महावीर स्वामी चांदी के विमान में विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे थे। नगरवासियों ने अपने घरों के बाहर रंगोली सजाकर एवं दीप प्रज्वलित कर भगवान की मंगल आरती की। शोभायात्रा का समापन गांधी चौक स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में हुआ, जहां धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान नगर के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने भी यात्रा का स्वागत कर आरती में सहभागिता निभाई।

उत्कल एक्सप्रेस के एस-4 कोच में मिला मासूम, आरपीएफ-जीआरपी ने बचाई जान, जिला अस्पताल के एससीएनयू में किया गया भर्ती

चलती ट्रेन में टॉयलेट से मिला लावारिस नवजात, स्टेशन पर मचा हड़कंप

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब हरिद्वार से पुरी जा रही उत्कल एक्सप्रेस के एस-4 कोच के टॉयलेट में एक नवजात शिशु लावारिस हालत में पड़ा मिला। इस घटना ने यात्रियों के बीच हड़कंप मचा दिया और पूरे स्टेशन पर सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री ने कोच के टॉयलेट में नवजात को देखा। जैसे ही उसने अन्य यात्रियों को इसकी सूचना दी, मौके पर भीड़ जुट गई और हंगामा शुरू हो गया। तुरंत रेलवे प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और शासकीय रेलवे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शिशु को सुरक्षित बाहर निकाला और स्थिति को नियंत्रण में लिया। नवजात को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसे स्पेशल केयर न्यूबॉर्न यूनिट (एसएनसीयू) में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की टीम उसकी हालत पर नजर बनाए हुए है और आवश्यक उपचार किया जा रहा है। आरपीएफ और जीआरपी द्वारा यात्रियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि, आखिर किसने और किन परिस्थितियों में इस मासूम को ट्रेन में छोड़ा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है।

मानवता को झकझोर ने वाला दृश्य

इस घटना ने समाज की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक नवजात को इस तरह लावारिस हालत में छोड़ना न केवल अमानवीय कृत्य है, बल्कि कानूनी तौर पर गंभीर अपराध भी है। समय रहते यात्री की सतर्कता और पुलिस की तत्परता से नवजात की जान बच गई, लेकिन ये घटना समाज के लिए एक चेतावनी है कि, ऐसे मामलों में जागरूकता और जिम्मेदारी बेहद जरूरी है।

खास बातें

- उत्कल एक्सप्रेस के एस–4 कोच के टॉयलेट में नवजात शिशु लावारिस हालत में पड़ा मिला है।
- मासूम पड़ा मिलने से मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर अफरा – तफरी फैल गई।
- सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और शासकीय रेलवे पुलिस ने भीड़ को शांत किया और शिशु को सुरक्षित बाहर निकालकर स्टेशन पर फैली अफरा–तफरी को नियंत्रित किया।
- फिलहाल, नवजात को कटनी जिला अस्पताल के स्पेशल केयर न्यूबॉर्न यूनिट (एसएनसीयू) में भर्ती करा दिया गया है।
- डॉक्टरों की टीम नवजात की हालत पर नजर बनाए हुए है। उसे जरूरी उपचार दिया जा रहा है।
- आरपीएफ और जीआरपी द्वारा यात्रियों से पूछताछ करने के साथ–साथ नवजात को ट्क्रीरेन के टॉयलेट में छोड़कर जाने वाले की तलाश में जुट गई है।

न्यूज विंडो

फांसी के फंदे पर झूलता मिला महिला का शव, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सलैया मे सीताबाई पति बिहारी अहिरवार 32 ने फांसी के फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। मृतिका के पति ने बताया कि सीता बहुत दिनों से सीने में दर्द को लेकर परेशान थी उसका इलाज भी कराया लेकिन आराम नहीं मिला, शनिवार दोपहर जब घर में कोई नहीं था लगभग 3 बजे म्यारी में फंदा बनाकर फांसी लगा ली। हम लोग जैसे ही घर पहुंचे तो फंदे पर तड़प रही थी तत्काल ही नीचे उतारा लेकिन थोड़ी देर के बाद मौत हो गई। इधर मृतका सीताबाई की छोटी बहन कौशा और पार्वती अहिरवार सहित परिजनों ने सुसराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाये है। उन्होंने कहा कि उनकी बहन सीताबाई अहिरवार की शादी 15 साल पहले हुई थी और तीन बच्चे भी हैं लेकिन मृतका का पति आए दिन शराब पीता था और मेरी बहन के साथ मारपीट करता था जब मेरी बहन अपने घर मायके आती थी तब उसका पति शक करता था मृतका के फूफा देवकरण अहिरवार ने बताया मेरी भतीजी की हत्या कर उसे फांसी के फंदे पर लटका गया है। पहले उसकी हत्या की गई है क्योंकि मृतका सीताबाई के गले में चोट के निशान थे जो उसके पति ने चूना लगाकर मिटाने का प्रयास किया है मृतका चार चार पांच पांच महीने अपने मायके में रहती थी क्योंकि उसका पति आए दिन मारपीट करता था और सुसराल वाले भी मृतका की मां ने बताया कि मेरी बेटी को हमेशा से परेशान किया जाता रहा है थाने में कई बार शिकायतें की है साथ ही महिला थाने में भी मामला दर्ज है। मायके पक्ष के लोगों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कार चालक ने दो भैसों को मारी टक्कर मौके पर हुई मौत

तेन्दूखेड़ा। ग्राम सांगा में मुख्य सड़क मार्ग शनिवार शाम 7 बजे एक कार ने तेज गति से चलाते हुए दो भैसों को टक्कर मार दी जिससे दोनों भैसों की मौके पर ही मौत हो गई भैस मालिक अभय कुमार जैन पिता मोहनलाल जैन 65 निवासी ग्राम सांगा ने बताया कि कार क्र. एमपी 20 सीबी 4955 का चालक ने शाम को भैसें चरकर घर आ रही थी उसी समय एक कार के चालक ने तेजगति एवं लापरवाही से चलाकर मेरी दोनो भैसों को टक्कर मार दी जिससे मौके पर ही मेरी दोनों भैसों की मौत हो गई जिससे मेरा करीबन एक लाख पच्चीस हजार रूपये का नुकसान हुआ है। मौके पर नीलेश यादव एवं देवीदास चैधरी ने घटना देखी है। पुलिस ने कार चालक पर मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी हैं। साथ ही वाहन को पुलिस थाना में रखवाया हैं।

सागर में एलपीजी का संकट, लोग हो रहे परेशान

घंटों लाइन में खड़े ऑटो चालक हो रहे परेशान, पंप सील होने से बढ़ी किल्लत

सागर। दोपहर मेट्रो

शहर में इन दिनों ऑटो रिक्शा चालकों के सामने एलपीजी गैस की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। तिली तिराहा (तिगड्डा) स्थित आगम एलपीजी गैस पंप पर सुबह से ही ऑटो की लंबी कतारें लग रही हैं। स्थिति यह है कि चालकों को भीषण गर्मी में कई-कई घंटों तक लाइन में खड़े रहकर गैस भरवानी पड़ रही है।

ऑटो रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष पप्पू तिवारी ने प्रशासन के दावों पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि प्रशासन एक ओर गैस की पर्याप्त उपलब्धता का दावा कर रहा है, जबकि जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। कई ड्राइवर घंटों इंतजार के बाद भी बिना गैस भरवाए लौटने को मजबूर हैं, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, राहतगढ़ बस स्टैंड स्थित एक एलपीजी गैस पंप पर निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायत मिली थी। इस पर सागर कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देश पर पंप को सील कर दिया गया। एक प्रमुख पंप बंद होने से अन्य पंपों पर दबाव बढ़ गया, जिससे गैस की किल्लत और गहरा गई। ऑटो यूनियन ने कलेक्टर से हस्तक्षेप कर जल्द समस्या के समाधान की मांग की है। यूनियन का कहना है कि गैस की कमी दूर नहीं हुई तो ऑटो चालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। इस दौरान सुंदर यादव, राजेश शुक्ला, मोनू खान, पवन खटीक सहित कई चालक मौजूद रहे।

तीन दिन से गैस के लिए जद्दोजहद:रीवा में सोमवार को भी लंबी लाइन लगी

रीवा जिले के मनगवां क्षेत्र में रसोई गैस को लेकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शुक्रवार, शनिवार और रविवार से हालात बिगड़े हुए हैं, जहां गैस सिलेंडर लेने के लिए सोमवार को भी सैकड़ों लोग लंबी कतारों में खड़े नजर आए। लगातार तीन दिनों से सुबह से ही महिलाएं, बुजुर्ग और पुरुष एजेंसियों के बाहर लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से गैस की सप्लाई प्रभावित है, जिससे घरेलू कामकाज पर असर पड़ा है। कई घरों में चूल्हा जलाना मुश्किल हो गया है, वहीं लोग लकड़ी और अन्य पारंपरिक साधनों का सहारा लेने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द राहत देने की मांग की है। इस पूरे मामले में प्रशासन का कहना है कि गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई भी नियमित रूप से की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, किसी प्रकार की कमी नहीं है, बल्कि एक साथ अधिक संख्या में उपभोक्ताओं के पहुंचने के कारण अस्थायी रूप से भीड़ की स्थिति बन रही है।

सैकड़ों गाड़ियों के फिटनेस और परमिट का कार्य अटका

अनूपपुर/शहडोल। दोपहर मेट्रो

परिवहन विभाग द्वारा वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाने वाली कुछ कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किए जाने के बाद इसका सीधा असर आम वाहन मालिकों पर पड़ रहा है। स्थिति यह है कि अनूपपुर, शहडोल, उमरिया और डिंडोरी जिलों में सैकड़ों वाहनों के फिटनेस और परमिट अटक गए हैं, जिससे वाहन मालिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार जिन कंपनियों के माध्यम से वाहनों में वीएलटीडी (व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस) लगाए गए थे, उन्हें परिवहन विभाग द्वारा तकनीकी या प्रशासनिक कारणों से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। इसके बाद उन कंपनियों के लगाए उपकरणों को अमान्य मानते हुए कई वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट जारी नहीं किए जा रहे हैं। वाहन मालिकों का कहना है कि उन्होंने विभाग द्वारा अधिकृत कंपनियों से ही वीएलटीडी उपकरण लगवाए थे और इसके लिए हजारों रुपये खर्च किए थे। अब यदि वही कंपनियां ब्लैकलिस्ट हो गई हैं तो इसमें वाहन मालिकों की क्या गलती है। उनका सवाल है कि विभाग की कार्रवाई का दंड आखिर आम वाहन मालिकों को क्यों भुगतना पड़ रहा है। चारों जिलों के कई वाहन मालिकों ने बताया कि फिटनेस और परमिट न मिलने से उनकी गाड़ियां खड़ी हो गई हैं, जिससे रोजगार और आय पर सीधा असर पड़ रहा है। कई वाहन मालिकों ने परिवहन विभाग से मांग की है कि इस मामले में स्पष्ट आदेश जारी कर राहत दी जाए और जिन वाहनों में पहले से वीएलटीडी लगे हैं उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था या समय देकर समस्या का समाधान किया जाए। वाहन मालिकों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो वे सामूहिक रूप से प्रशासन के समक्ष अपनी समस्या रखेंगे। उनका सवाल साफ है–कंपनियों की गलती की सजा आखिर आम वाहन मालिकों को क्यों दी जा रही है?

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर से घर में भड़की आग, मकान मालिक गंभीर घायल

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के कस्बा दिगौड़ा में किले के मैदान के पास रविवार सुबह करीब 10 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक मकान में भीषण आग लग गई। मकान में गैस सिलेंडर में आग लगी और देखते ही देखते इतनी तेजी से फैली कि पूरे घर को अपनी आगोश में ले लिया। घर में आग लगने से घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया और इलाके में हड़कंप मच गया। घटना में मकान मालिक बली रैकवार गंभीर रूप से झुलस गया है जिसे गंभीर हालत में झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस घर में आग लगी वो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुष्पा रैकवार का है। घटना के वक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पति बली रैकवार घर में गैस सिलेंडर पर खाना बना रहे थे, तभी अचानक सिलेंडर में आग लग गई। उन्होंने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन इस कोशिश में वो खुद आग की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। घर में आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तो वहीं पुलिस टीम ने आरक्षक रामकुमार, पायलट अभिषेक राय और एनआरएस आकाश अहिरवार की मदद से घायल मकान मालिक बली रैकवार को 112 वाहन के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर लिधौरा से पहुंची फायर ब्रिगेड टीम के पायलट मनोज नापित और वृंदावन रजक ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाई गई तब तक घर में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो चुका था। यह हादसा अचानक हुई गैस सिलेंडर की आग के कारण हुआ।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

मवेशी पर स्कॉर्पियो चढ़ाकर उतारा मौत के घाट, विरोध करने पर पशु प्रेमी परिवार से मारपीट, केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के चाणक्यपुरी क्षेत्र में वाहन चालक ने सड़क पर बैठे एक पालतू श्वान को जान-बूझकर अपनी गाड़ी से कुचल दिया। जब पीड़ित परिवार ने इसकी शिकायत की, तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और महिलाओं से अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीपल फॉर एनिमल्स के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार, फरियादी विशाल पिता राजेश बोरासी का पालतू श्वान गली में बैठा था। तभी आरोपी बालचन्द ने अपनी स्कॉर्पियो से श्वान को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, यह कृत्य पूरी तरह जान-बूझकर किया गया था। घायल श्वान की तड़पकर मौत हो गई। विशाल ने उसी शाम थाने में शिकायत की थी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने शुरुआत में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। अगली सुबह आरोपी बालचन्द के साथी पंकज वैष्णव व उसके परिजनों ने विशाल के घर जाकर उसके साथ मारपीट की। आरोपियों ने घर की महिलाओं को भद्दी गालियां दीं और धमकाया कि वे आगे भी इसी तरह पशुओं को मारेंगे। पीड़ित परिवार ने पुलिस को घटना का पुख्ता सीसीटीवी फुटेज और मारपीट के वीडियो साक्ष्य के रूप में सौंपे हैं। जब स्थानीय स्तर पर सुनवाई में देरी हुई, तो पशु प्रेमी संस्था %पीपल फॉर एनिमल्स और मेनका गांधी की टीम से संपर्क किया गया। संस्था के दबाव के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

मेट्रो एंकर

राज्यमंत्री ने दो ग्राम पंचायत में किया सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

सामुदायिक भवनों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

रविवार को क्षेत्रीय विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी द्वारा तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत धनगौर के आश्रित ग्राम बहेरियामाल और ग्राम पंचायत कोड़ल में सामुदायिक भवनों के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया

ग्राम बहेरियामाल में लगभग 25 लाख रुपए तथा ग्राम कोड़ल में 15 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इन सामुदायिक भवनों का उद्देश्य ग्रामीणों को सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री श्री लोधी ने अपने संबोधन में कहा कि विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनका लक्ष्य जबेरा को पूरे मध्य प्रदेश में एक आदर्श और अग्रणी विधानसभा बनाना है। इसके लिए आधारभूत संरचनाओं का विकास, ग्रामीण सुविधाओं का विस्तार और सामाजिक ढांचे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने सामुदायिक भवनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांवों में इस प्रकार की सुविधाएं होने से लोगों को विवाह, सामाजिक कार्यक्रम, बैठकें और अन्य सामूहिक गतिविधियों के आयोजन में सहूलियत मिलेगी। इससे न केवल समय और संसाधनों की बचत होगी, बल्कि ग्रामीणों के बीच आपसी सहयोग और सामाजिक एकता भी मजबूत होगी। मंत्री लोधी ने यह भी बताया कि उनका सपना है कि जबेरा विधानसभा के प्रत्येक गांव में कम से कम एक सुसज्जित सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाए, जिससे हर ग्रामवासी को समान रूप से सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में क्षेत्र में और भी विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने मंत्री जी का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र के विकास के लिए उनके प्रयासों की सराहना की इस दौरान सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन नगर परिषद उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद नामदेव तारादेही मंडल अध्यक्ष डॉ मनोहर सिंह लोधी पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव पूर्व सांसद प्रतिनिधि डॉ परम सिंह लोधी युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम जैन विधायक प्रतिनिधि चेतन जैन विधायक प्रतिनिधि राजीव जैन युवा नेता राजकुमार सिंह लोधी नरगुवा धनगौर सरपंच प्रतिनिधि द्वारका सींग नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सतेन्द्र जैन बांदीपुरा सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र जैन सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे

दोहरी त्रासदी ने मिजोरम के किशोर को तोड़ दिया था अंदर तक

अनाथ भारोत्तोलक ने चोटों से उबरकर जीता स्वर्ण, चाचा ने लुटाया प्यार

रायपुर, एजेंसी

मिजोरम के युवा भारोत्तोलक इसाक मालसावमटलुआंगा सोलह वर्ष के होने से पहले ही अपने माता-पिता दोनों को खोने के बाद लगभग खेल छोड़ने की कगार पर पहुंच गए थे लेकिन इस त्रासदी और कमर की चोट से उबरकर उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल खेल 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इसाक ने क्लीन एंड जर्क में शानदार प्रदर्शन किया। स्नैच में दूसरे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कुल 235 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जीत के तुरंत बाद उनके चाचा ने उन्हें गले लगा लिया, जो इस युवा खिलाड़ी के जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह रहे हैं। दोहरी त्रासदी ने मिजोरम के इस किशोर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन उनके बचपन के कोच और चाचा-चाची के सहारे ने उनके खेल करियर को संभाल लिया। इसाक के पिता हेमिंग मालसावमटलुआंगा की 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उसी साल उन्होंने भारोत्तोलन में कैरियर की शुरुआत की थी। परिवार के इकलौते बेटे होने के कारण उनके सामने यह सवाल खड़ा हो गया था कि वह खेल जारी रखें या परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए कमाई पर ध्यान दें। इसाक ने बताया, उस समय मेरे बचपन के कोच सोमा ने मुझे बहुत प्रेरित किया और खेल जारी रखने के लिए कहा। फिर 2024 में हिमाचल प्रदेश में आयोजित युवा राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने के बाद जब उनका प्रदर्शन बेहतर होने लगा, तभी एक और निजी झटका लगा। उनकी मां को कैंसर का पता चला, जिससे परिवार पर भावनात्मक और आर्थिक दबाव बढ़ गया।

चाचा-चाची ने संभाली जिम्मेदारी

इस कठिन समय में उनके चाचा और चाची उनका सहारा बने। आइजोल के रामुन वेंगथर इलाके में एक छोटे से रेस्तरां में काम करने वाला यह दंपति इसाक को अपने साथ ले आया और उसकी पढ़ाई और खेल दोनों को निर्बाध जारी रखने में मदद की। लेकिन उसी साल इसाक की मां का निधन हो गया, जिसने इस युवा खिलाड़ी को पूरी तरह तोड़ दिया। इसाक ने कहा, अपने माता-पिता दोनों को खोना मुझे अंदर से पूरी तरह तोड़ गया था। मैंने लगभग तय कर लिया था कि खेल छोड़ दूंगा, लेकिन मेरे चाचा और कोच ने एक बार फिर मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसाक 2024 से इम्फाल स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं और साथ ही आइजोल से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के जरिए कक्षा 12 की पढ़ाई भी कर रहे हैं।

रंग लाने लगे प्रयास

धीरे-धीरे उनके प्रयास रंग लाने लगे। मोदीनगर में 2025 में आयोजित जूनियर प्रतियोगिता में उन्होंने एक और रजत पदक जीता और बाद में उसी वर्ष राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से पहले उनकी तैयारियों में भी चुनौतियां कम नहीं थीं। अभ्यास के दौरान उन्हें पीठ में चोट लग गई थी, जिसके चलते उनके कोच ने उन्हें टूर्नामेंट से दूर रहने की सलाह दी थी, लेकिन इसाक ने हार नहीं मानी और रायपुर में मंच पर उतरकर अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, मेरे पिता के निधन के बाद से मेरे चाचा हमेशा प्रतियोगिताओं में मेरे साथ जाते हैं। वह यहां भी मेरे साथ थे। जैसे ही मैंने पदक जीता, उन्होंने मुझे अपनी बाहों में उठा लिया। उस पल मुझे एहसास हुआ कि वह कितने खुश थे।

आईपीएल 2026 : 2012 के बाद मुंबई ने पहला ओपनिंग मैच जीता

रोहित-रिकेल्टन का तूफान, जसप्रीत बुमराह का मैजिक, वानखेड़े में शार्दुल का भी चला जादू

मुंबई , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) में रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने 6 विकेट से शानदार जीत हासिल की। साल 2012 के बाद ये पहला मौका था जब आईपीएल के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की है। आइए आपको बताते हैं कि मुंबई के इस जीत के 5 कारण क्या रहे।।।।

रोहित की तूफानी बैटिंग

इस मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए केकेआर ने 221 रनों का लक्ष्य मुंबई के सामने रखा था। इसके जवाब में उतरी मुंबई की पूरी नजर रोहित शर्मा पर थी। और रोहित ने फैन्स को निराश भी नहीं किया। रोहित ने पहले ही ओवर से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 23 गेंदों में फिफ्टी लगाई और 38 गेंदों में 78 रन बनाकर मुंबई को फ्रंटफुट पर ला दिया। रोहित ने रिकेल्टन के साथ पहले विकेट के लिए 148 रनों की साझेदारी की। अपनी पार में रोहित ने 6 चौके और 6 छक्के जड़े।

रिकेल्टन ने दिखाया दम

इस मैच में मुंबई की टीम ने अनुभवी क्विंटन डिकॉक की जगह रेयान रिकेल्टन को टीम में शामिल किया था। रिकेल्टन ने फैन्स को निराश भी नहीं किया। रोहित के साथ उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। वहीं, जब रोहित का विकेट गिरा तो रिकेल्टन ने अकेले मोर्चा संभाला। रिकेल्टन ने 43 गेंद में 81 रन बनाए और 8 छक्के जड़े।

बुमराह का अनुभव आया काम

जब केकेआर बल्लेबाजी कर रही थी तब एक समय लग रहा था की केकेआर आराम से 250 का स्कोर पार कर लेगी। लेकिन ऐसे में मुंबई के सबसे अनुभवी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सूझबूझ दिखाई। बुमराह ने 4 ओवर में केवल 35 रन खर्चे।

शार्दुल का वानखेड़े में चला जादू

इस मैच में मुंबई के लिए शार्दुल का गोल्डन आर्म काम आया। एक समय जडेजा और फिन एलन ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहे थे। तब शार्दुल ने वो साझेदारी तोड़ी। यही नहीं उन्होंने अपने स्पेल में केवल 39 रन खर्च किए और 3 विकेट लिए। केकेआर के कुल 4 विकेट गिरे थे, जिसमें तीन विकेट शार्दुल ने लिए थे।

मुंबई के प्लेयर्स ने दिखाया इंटेंट

इस मैच में पिच का मिजाज मुंबई के खिलाड़ियों ने बेहतर समझा। 221 का टोटल भले ही बड़ा लगे लेकिन मुंबई के प्लेयर्स को पता था कि ये टोटल आसानी से इस पिच पर चेज किया जा सकता है। इसके बाद जब अच्छी शुरुआत मिली तो मुंबई के हर बल्लेबाज ने अच्छे शॉट खेले और बेहतर इंटेंट दिखाया। आखिरकार मुंबई ने ये मैच जीत लिया और आईपीएल का आगाज जीत के साथ किया। वहीं, केकेआर को अपने पहले मैच में 220 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा।

लंबे समय बाद टूटा सिलसिला

रोहित शर्मा (78) और रेयान रिकेल्टन (81) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने 13 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। दरअसल, मुंबई ने पिछली बार 2012 में सत्र का ओपनिंग मुकाबला जीता था। इसके बाद से वह लगातार 13 साल तक ओपनिंग मैच नहीं जीत पाई थी। अब टीम ने केकेआर को हराकर इस अनचाहे रिकॉर्ड से पीछा छुड़ा लिया है।

रहाणे ने गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे का बल्ला भी जमकर गरजा। उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी के साथ पूर्व कप्तान गौतम गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। केकेआर के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे रहाणे ने 40 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 67 रनों की विस्फोटक पारी खेली। केकेआर के किसी भी कप्तान की मुंबई इंडियंस के खिलाफ यह सबसे बड़ी पारी है। इस पारी के आधार पर रहाणे ने गौतम गंभीर का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गौतम गंभीर ने आईपीएल 2016 में कोलकाता में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 52 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली थी। तीसरी बड़ी पारी गंभीर के नाम ही है। 2016 में ही गंभीर ने एमआई के खिलाफ वानखेड़े में 45 गेंदों पर 59 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस के खिलाफ केकेआर के कप्तान के रूप में चौथी सबसे बड़ी पारी भी गंभीर के नाम ही है।

पीली जर्सी में नजर आएंगे संजू

सीएसके को आज रॉयल्स से मिलेगी कड़ी चुनौती

गुवाहाटी, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स को राजस्थान रॉयल्स से कड़ी चुनौती मिलेगी। खास बात यह है कि पिछले एक दशक से अधिक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे संजू सैमसन अब आईपीएल के मैच में सोमवार को उसी टीम के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आयेंगे जबकि चेन्नई टीम का हिस्सा रहे रविंद्र जडेजा अब रॉयल्स के लिये खेलने जा रहे हैं।

पिछले दस साल से अधिक समय से सैमसन रॉयल्स टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहे हैं। उनकी कप्तानी में रॉयल्स 2022 में फाइनल तक पहुंची थी। जिस तरह से चेन्नई की पहचान महेंद्र सिंह धोनी हैं, वैसे ही रॉयल्स की पहचान सैमसन बन गए थे लेकिन इस सत्र से पहले हुई अदला-बदली में अब जडेजा रॉयल्स के लिये खेलेंगे और भारत की टी-20 विश्व कप जीत के नायक रहे सैमसन चेन्नई टीम का हिस्सा होंगे।

सैमसन चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरूआत करेंगे और टीम के कोर नेतृत्व का भी हिस्सा होंगे, चूंकि धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह नहीं खेल पायेंगे।

मजबूत है चेन्नई की बल्लेबाजी

चेन्नई की बल्लेबाजी मजबूत लग रही है चूंकि डेवाल्ड ब्रेविस अब परिपक्व हो चले हैं जबकि शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी तेजी से निखरते जा रहे हैं। गेंदबाजी में नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद जिम्मेदारी संभालेंगे। रॉयल्स के लिये सैमसन का जाना एक युग का अंत है और रियान पराग की कप्तानी में एक नये दौर की शुरूआत है जो अपने घरेलू मैदान से कप्तानी की शुरूआत करेंगे। जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। उनकी बल्लेबाजी का दारोमदार यशस्वी जायसवाल पर रहेगा। उनके साथ युवा वैभव सूर्यवंशी और फॉर्म में चल रहे शिमरोन हेटमायर हैं। रॉयल्स के लिये चिंता का सबब उसकी गेंदबाजी है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

धुरंधर पर चुप्पी के बीच रणवीर सिंह के साथ दिखे शाहरुख खान, वायरल हुई फोटो

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 हर दिन बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है। महज 10 दिनों में वर्ल्डवाइड इस फिल्म 1200 करोड़ रुपये का कलेक्शन पार कर लिया है। इस बीच रणवीर सिंह की फोटो सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ वायरल हो रही है, वो भी तब जब किंग खान ने फिल्म पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

गौरतलब है कि बॉलीवुड से लेकर पूरी साउथ इंडस्ट्री के बड़े-बड़े दिग्गजों ने फिल्म धुरंधर की खुलकर तारीफ की, हाल ही में आमिर खान का भी रिएक्शन आया। लेकिन फैंस ने ये भी गौर किया कि शाहरुख खान और सलमान खान ने अब तक फिल्म पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। शाहरुख खान इस समय अपनी आने वाली फिल्म किंग की तैयारी में जुटे हुए हैं। हालांकि किंग खान आजकल ज्यादा लाइमलाइट में नहीं रहते, लेकिन उन्हें अक्सर इवेंट्स और प्राइवेट पार्टियों में देखा जाता है। हाल ही में, उन्हें

BJP नेता और बिजनेसमैन मोहित कंबोज की बेटी मिशका कंबोज की बर्थडे पार्टी में अनंत अंबानी, राधिका मर्चेंट और अन्य लोगों के साथ देखा गया। इस शाम के वीडियो SRK के फैन पेजों पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में वह धारीदार शर्ट, फिटेड ट्राउजर और सनग्लासेस पहने नजर आ रहे हैं। एक क्लिप में, अनंत को शाहरुख खान के कंधों पर हाथ रखे हुए देखा जा सकता है।

बर्थडे पार्टी में शामिल हुए संजय दत्त

इसी इवेंट से एक और तस्वीर वायरल हुई है, जिसमें SRK, रणवीर, मान्यता दत्त, शिल्पा शेट्टी और अन्य लोग नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर ये चर्चा है कि शाहरुख खान ने ऑफिशियल धुरंधर को लेकर कुछ ना कहा हो लेकिन पार्टी में रणवीर से मुलाकात के वक्त तो अपना रिएक्शन दिया ही होगा। हालांकि ये बात पार्टी से निकलकर अभी सामने नहीं आई है। देखना दिलचस्प होगा कि शाहरुख धुरंधर को लेकर क्या कहते हैं। वहीं इस बर्थडे पार्टी में धुरंधर के चौधरी असलम यानी संजय दत्त और अन्य लोग भी शामिल हुए। एक क्लिप में रणवीर को अपनी फिल्म धुरंधर का टाइटल ट्रैक गाते हुए देखा गया, जिसमें उनके को-स्टार संजय दत्त भी स्टेज पर उनके साथ शामिल हुए।

रजत दलाल ने की सीक्रेट वेडिंग, नदी किनारे दुल्हन संग लिए सात फेरे

द 50और बिग बॉस 18% में गर्दा उड़ाने के बाद रजत दलाल ने अपने फैंस को बड़ा शॉक दिया है। उन्होंने गुपचुप शादी कर ली है। रजत ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी। ये एक प्राइवेट सेरेमनी थी, जहां रजत ने अपनी पत्नी संग सात फेरे लिए। रजत ने शादी की तस्वीरें साझा करते हुए इसे उनकी जिंदगी की नई शुरुआत बताया।

रजत दलाल एक फिटनेस इंफ्लुएंसर हैं, जिन्हें बिग बॉस 18से लाइमलाइट में आने का मौका मिला था। इस शो में उनकी और चाहत पांडे की जोड़ी काफी पसंद की जा रही थी। अफवाहें उड़ने लगीं कि दोनों के बीच प्यार बढ़ने लगा है। मगर रजत ने कभी अपना और चाहत का रिश्ता पब्लिकली स्वीकार नहीं किया था। इसके बाद दोनों द 50 में भी साथ दिखे। वहां भी दोनों की लिंक-अप की खबरें उड़ने लगीं। मगर अब रजत दलाल ने अपनी शादी की तस्वीरों से उन सभी दावों को खत्म कर दिया है। वो अब अपने जीवन साथी के साथ जीवन के नए पहलू की शुरुआत

करेंगे। इंफ्लुएंसर की शादी से फैंस समेत कई टीवी सेलेब्स भी खुश दिखे हैं। द 50 से उर्वशी ढोलकिया, मिस्टर फैजू, अरबाज पटेल, रचित रोझा- सभी ने रजत को शादी की बधाई भेजी है। रजत ने शादी की पोस्ट डालने से कुछ देर पहले एक स्टोरी भी पोस्ट की थी, जिसमें उनका कहना था कि वो लोगों के प्यार की बदौलत अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर रहे हैं। इसके लिए वो सभी का आशीर्वाद चाहते हैं।

मेट्रो बाजार

कोल इंडिया लिमिटेड को तेलंगाना में 1,057 करोड़ का बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट मिला

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने रविवार को घोषणा की कि उसे तेलंगाना विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड से एक बड़े बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना (बीईएसएस) के लिए लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। यह कदम कंपनी के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार की दिशा में अहम माना जा रहा है। यह परियोजना तेलंगाना के चौटुप्पल में स्थापित की जाएगी, जिसमें 750 मेगावाट-घंटा क्षमता का बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विकसित किया जाएगा। इसकी पावर क्षमता 187.5 मेगावाट होगी, जो चार घंटे तक बिजली आपूर्ति कर सकेगी।

इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 1,057.09 करोड़ रुपये है। कंपनी ने अपने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि इस परियोजना को बैटरी एनर्जी स्टोरेज परचेज एग्रीमेंट साइन होने के 18 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

समझौते के तहत सीआईएल 3.14 लाख रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर से बिजली की आपूर्ति करेगा। साथ ही कंपनी को 15 दिनों के भीतर परफॉर्मेंस बैंक गारंटी और अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे, जिसके बाद औपचारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह कॉन्ट्रैक्ट एक घरेलू इकाई द्वारा दिया गया है और इसमें किसी भी प्रकार का संबंधित पार्टी लेन-देन शामिल नहीं है।

उपभोक्ता आयोग ने ओला इलेक्ट्रिक को खराब स्कूटर बदलने या रिफंड देने का दिया आदेश

मुंबई। ठाणे के उपभोक्ता आयोग ने दोपहिया ईवी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक को खराब इलेक्ट्रिक स्कूटर को बदलने या फिर ग्राहक को रिफंड देने का आदेश दिया है। आयोग ने यह आदेश सर्विस में गंभीर अनियमितता और अनुचित व्यापार प्रथाओं के चलते दिया है। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अपने आदेश में कहा कि स्कूटर में शुरू से ही कई खामियां थीं और कंपनी इन समस्याओं का उचित समाधान करने में विफल रही। आयोग ने कंपनी के इस आचरण को ग्राहक सेवा में बड़ी लापरवाही बताया।

यह मामला नवी मुंबई के एक वकील ने दायर किया था, जिन्होंने जुलाई 2024 में 96,997 रुपए में स्कूटर खरीदा था। शिकायत के अनुसार, वाहन की डिलीवरी के महज दो दिन बाद ही उसमें समस्याएं शुरू हो गईं। अपनी पहली लंबी यात्रा के दौरान, स्कूटर में एक्सीलरेशन से संबंधी समस्याएं आईं और ट्रैफिक में कई बार खराब हो गया। शिकायतकर्ता ने बैटरी की गंभीर समस्या के बारे में भी बताया और दावा किया कि अगस्त 2024 में एक यात्रा के दौरान, चार्ज का स्तर अचानक महज 500 मीटर के भीतर 21 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो गया, जिससे वाहन अचानक रुक गया। उन्होंने कहा कि इस घटना से एक बड़ा हादसा हो सकता था। ग्राहक ने आरोप लगाया कि बार-बार ईमेल और संदेश भेजने के बावजूद कंपनी से उसे तब तक कोई जवाब नहीं मिला, जब तक उसने इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से नहीं उठाया। स्कूटर को सर्विसिंग के लिए ले जाने के बाद भी देरी हुई और कोई अपडेट नहीं मिला। आयोग ने पाया कि शुरुआत में वाहन की जानकारी निर्धारित गैरेज को भी नहीं दी गई थी। आदेश में कहा गया है कि जब स्कूटर महीनों बाद लौटाया गया, तो वह खराब हालत में था, उस पर खरोंचें थीं और साफ-सफाई की समस्या थी।

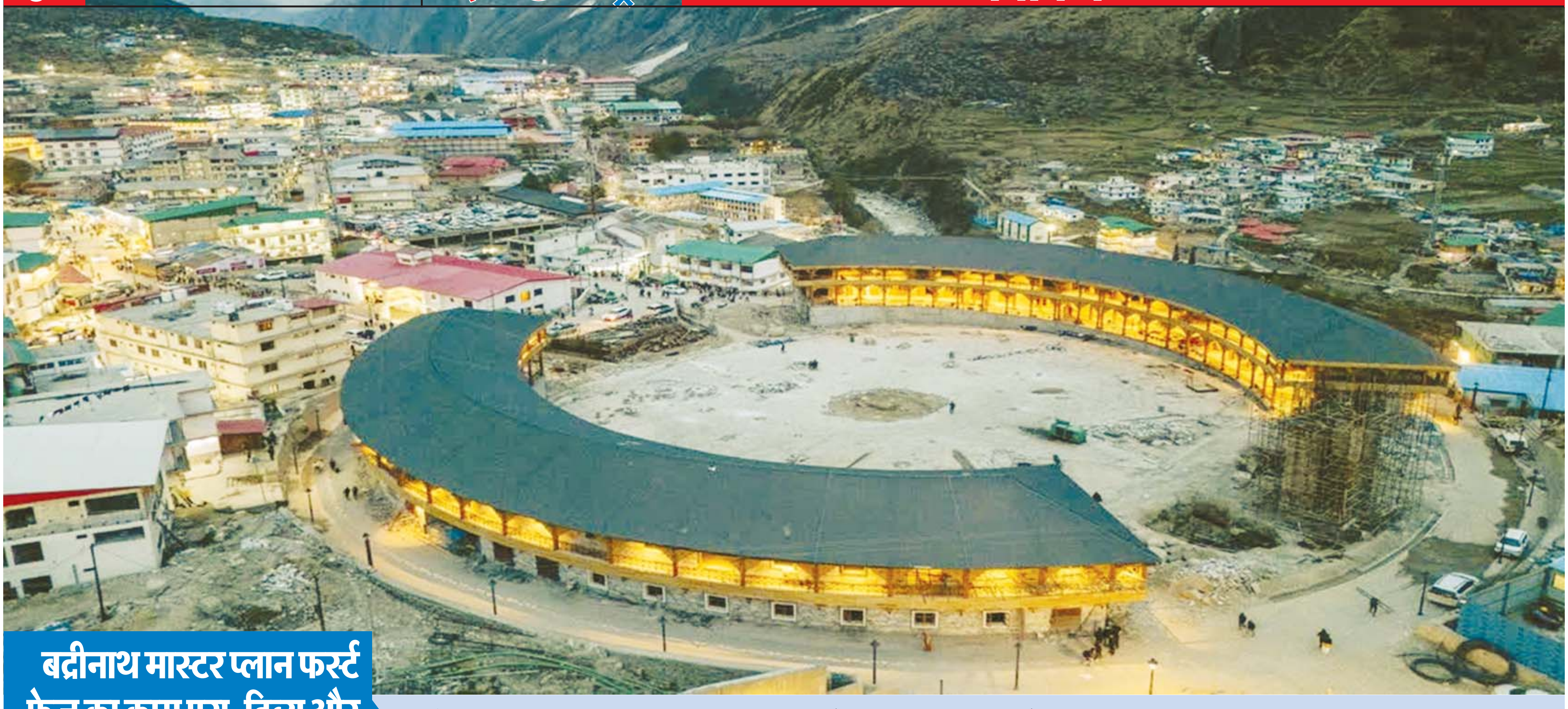

बद्रीनाथ मास्टर प्लान फर्स्ट फेज का काम पूरा, दिव्य और भव्य रूप लेने लगा धाम

चमोली। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। धाम में यातायात, तीर्थयात्रियों की पैदल आवाजाही, पथ प्रकाश, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सुव्यवस्थित करने, नदी तटों की सुरक्षा, साथ ही धाम की सुरक्षा, पार्किंग सहित सभी यात्री सुविधाओं, सीवर निस्तारण के विकास के लिए 440 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जिससे अब योजना के अनुसार बदरीनाथ धाम का दिव्य और भव्य स्वरुप आकार लेने लगा है। धाम के मास्टर प्लान का निर्माण कार्य करवा रही पीआईयू (लोनिवि) के अधिकारियों के अनुसार बदरीनाथ धाम में सभी कार्यों को जल्द पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

न्यूज विंडो

पेट्रोल पंप पर केरोसिन भी मिलेगा, हर जिले में 2 पंपों पर सुविधा होगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फैसला लिया है कि अब राशन की दुकानों के साथ-साथ पेट्रोल पंप पर भी केरोसिन मिल सकेगा। अब सरकारी तेल कंपनियां तय किए गए पेट्रोल पंपों से भी केरोसिन रख और बांट सकेंगी। हर जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंप चुनेंगे, जहां यह सुविधा दी जाएगी। इन पेट्रोल पंपों पर अधिकतम 5 हजार लीटर तक केरोसिन रखा जा सकेगा। सरकार ने सप्लाई आसान बनाने के लिए 60 दिनों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के नियमों में ढील दी है, ताकि जरूरतमंद परिवारों तक तेल समय पर पहुंच सके। सरकार ने ये फैसला अमेरिका-इजराइल के ईरान संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के कारण भारत में गैस, पेट्रोल-डीजल की कमी है।

पंजाब में महिलाओं को मिलेगा 1500-1000 रुपये का मासिक सम्मान

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में कैबिनेट ने 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' शुरू करने को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत 18 वर्ष या अधिक आयु की अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये व शेष महिलाओं को 1,000 रुपये सम्मान राशि मिलेगी।परिवार में अगर ऐसी महिलाओं की संख्या एक से ज्यादा है तो सभी को पैसे मिलेंगे। शर्त केवल यह है कि उनके पास पंजाब निवासी होने का आधार कार्ड व वोटर कार्ड होना चाहिए। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दावा किया गया है कि इस योजना से राज्य की 97 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को लाभ होगा। योजना का सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों को भी लाभ मिलेगा। हर महिला तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए सरकार ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं के लिए दस्तावेज पूरे करने, बैंक खाते सक्रिय करने व निर्बाध रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने में सहायता करेगी। योजना के लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपये मंजूर किए जा चुके हैं।

हिमाचल सीमा पर हंगामा, हरियाणा के लोगों ने बरोटीवाला बैरियर किया जाम

सोलन। हरियाणा से हिमाचल प्रदेश में प्रवेश को लेकर सुबह बड़ा विवाद खड़ा हो गया। एंट्री टैक्स के विरोध में हरियाणा के लोगों ने हिमाचल सीमा पर स्थित बरोटीवाला बैरियर को बंद कर दिया, जिससे दोनों राज्यों के बीच आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रदर्शनकारियों का गुस्सा प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार के खिलाफ फूट पड़ा है। लोगों का आरोप है कि एंट्री टैक्स के कारण उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फैक्ट्रियों की बसें और आम लोग बॉर्डर पर फंसे। उद्योगों के अलावा आमजन के रास्ता भी फिलहाल जाम कर दिया गया है। बरोटीवाला-नालागढ़ औद्योगिक क्षेत्र में सैकड़ों उद्योग हैं। जाम के चलते उत्पादन गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका है, जिससे आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। उद्योगों में शुरू होने वाली नौ बजे की शिफ्ट कर्मियों कब उद्योग में नहीं पहुंच पाने से शुरू नहीं हो सकी है। अधिकारियों की गाड़ियां भी हिमाचल में एंट्री नहीं कर सकीं। बॉर्डर पर स्थिति को देखते हुए प्रशासन सतर्क है। अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो औद्योगिक क्षेत्र में बड़ा असर देखने को मिल सकता है।

लाल आतंक का सफाया....पार्ट-1

नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन एक दिन दूर....

बस्तर से राजेश सिरोठिया

अविभाजित मध्यप्रदेश में नक्सलवाद के विस्तार की जो कहानी 1989 से शुरू हुई थी, उसके सफाए की घड़ी अब अपने अंतिम पड़ाव पर आ पहुंची है। पशुपतिनाथ से लेकर तिरूपति तक माओवाद के नाम पर हिंसक वारदातों का सिलसिला अब थमने वाला है। पुराने मध्यप्रदेश और अब छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके की बात करें तो लाल आतंक के सफाई का श्रेय देश के गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ स्थानीय पुलिस को मिले केंद्रीय सुरक्षा बलों के सहयोग और ठेठ आदिवासी अंचल में बनाई गई जिला रिजर्व गार्ड (क्षेत्रीय आदिवासी युवाओं की टुकड़ी) को जाता है। सबने मिलकर बस्तर रेंज के आईजी के रूप में बीते साढ़े पांच साल से पदस्थ सुंदरराज पी के साथ ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के तहत बेहद अहम रोल अदा किया है।

अविभाजित मप्र के बस्तर इलाके में नक्सलवादियों की मौजूदगी की आहट तो 1989 से ही मिलने लगी थी, लेकिन मई 1991 में पहली बार उन्होंने एक पुलिस आरक्षक को मारकर अपनी हिंसक गतिविधियों को अंजाम देना शुरू किया था। यह सिलसिला धीरे-धीरे गति पकडऩे लगा। खासतौर से छत्तीसगढ़ राज्य के 1 नवंबर 2000 को नए राज्य के रूप में आकार लेने के बाद इसकी गतिविधियां तेज होने लगीं। इसकी बड़ी वजह यही थी कि चंबल और बुंदेलखंड इलाके का जो जो पुलिस बल वहां मौजूद था वह नया राज्य बनते ही हट गया। बचे थे नए राज्य के पुलिस बल के स्थानीय पुलिसकर्मी जिनके मन में पहले से ही नक्सलियों का खौफ था। हालांकि मप्र का हिस्सा रहते हुए भी बस्तर के आंध्रप्रदेश (अब तैलंगाना) से सटे दंतेवाड़ा जिले में उनका खौफ सबसे ज्यादा था। ज्यादातर नक्सली दलम वहीं से दाखिल होते थे और वारदात करके आंध्र की सीमा में घुस जाते थे। इसके चलते मप्र के एक आईपीएस अफसर की वहां तैनाती हुई तो वह वहां ज्वाइनिंग के लिए निकले लेकिन कई दिनों तक कार्यभार नहीं संभाला। उनकी लोकेशन पाने में मप्र पुलिस को भारी कवायद करना पड़ी। बाद में एक एसपी आलोक टंडन ने अपने बंगले में खुद को गोली मारकर मौत को गले लगा लिया। इस घटना के कई सवाल खड़े किये। उनकी खुदकुशी का राज अभी भी रहस्य बना हुआ है। यह अटकलें भी थी कि बस्तर इलाके के कुछ वरिष्ठ पुलिस अफसरों से कतिपय मतभेदों के चलते उन्होंने खुदकुशी की। (जारी)

फाइल फोटो

आज से 5 दिन आंधी-बारिश वाला मौसम

भोपाल-जबलपुर में गिरेगा पानी ग्वालियर और चंबल में ओले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में मार्च के आखिर में एक बार फिर मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव हो गया है। ग्वालियर समेत कई जिलों में बादल और हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से इसका असर और बढ़ेगा, जो अगले 4 से 5 दिनों तक बना रहेगा। अगले 24 घंटों में ग्वालियर-चंबल संभाग के भिंड और दतिया जिलों में ओलावृष्टि हो सकती है। वहीं भोपाल, जबलपुर सहित प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी, बारिश और बादल छाए रहेंगे। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन सक्रिय हैं, जिससे मौसम तेजी से बदल रहा है।

अगले 4 दिन तक पूरे प्रदेश में असर: 30 मार्च से शुरू हुआ यह सिस्टम लगभग पूरे प्रदेश को कवर करेगा। ग्वालियर, चंबल, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, जबलपुर, सागर, रीवा और शहडोल संभाग के अधिकतर जिलों में 2 अप्रैल तक मौसम बदला रहेगा।

भोपाल में दिन में तेज गर्मी के साथ बारिश

भोपाल में मार्च महीने में दिन में तेज गर्मी पड़ने के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। मौसम विभाग के अनुसार, मार्च महीने में गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसके चलते दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 30 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41 डिग्री पहुंच चुका है।वहीं, 45 साल पहले 9 मार्च 1979 की रात में पारा 6.1 डिग्री दर्ज किया गया था। वर्ष 2014 से 2023 के बीच दो बार ही अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा।

चुनावी मैदान में उतरे अखिलेश यादव, दादरी में चला गुर्जर कार्ड

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव मिशन 2027 के लिए चुनावी रणभूमि में उतर चुके हैं। उन्होंने यूपी के दादरी में की गई अपनी रैली में खुलकर गुर्जर कार्ड चला। गुर्जर समाज के सम्मान के प्रतीकों को अपने भाषण में जहां पूरी तरजीह दी, वहीं सरकार बनने पर राजधानी लखनऊ में गोमती रिवर फ्रंट पर राजा मिहिर भोज की प्रतिमा स्थापित करने का वादा भी किया। गुर्जर प्रतिहार वंश के 9वीं शताब्दी के शासक मिहिर भोज ने उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में शासन किया। वे भगवान विष्णु के प्रति अपनी भक्ति के लिए भी इतिहास में दर्ज हैं। भाजपा नेता प्रायः अखिलेश यादव पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाते हैं। शायद यही वजह रही कि दादरी की रैली की शुरुआत अखिलेश ने गुर्जर-प्रतिहार वंश के राजा मिहिर भोज की प्रतिमा पर गंगा जल चढ़ाकर की।

नमो एप के जरिए असम और पुदुचेरी के मतदाताओं से जुड़ेंगे पीएम मोदी, सोशल मीडिया पर दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से असम और पुदुचेरी में लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर असम के प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे, जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके बाद, वे शाम 5:30 बजे पुदुचेरी के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे।

एनडीए सरकार की उपलब्धियों पर करेंगे बातः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पिछले एक दशक में असम में हासिल की गई विकासात्मक प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि राज्य ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है और विश्वास व्यक्त किया कि मतदाता डबल इंजन वाली एनडीए सरकार को एक और कार्यकाल के लिए समर्थन देंगे।

मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद पुदुचेरी...

उन्होंने कहा, 'पिछले पांच वर्षों में, डबल इंजन वाली एनडीए सरकार ने पुदुचेरी के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया है। इसीलिए पुदुचेरी के लोग एक बार फिर एनडीए को अपना आशीर्वाद देने जा रहे हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'आज शाम 5:30 बजे 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद पुदुचेरी' में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।' भाजपा की असम इकाई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस संवाद से प्रधानमंत्री को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और आम जनता से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा।

मेट्रो एंकर

देशभर में वायरल हुई मैनपुरी जिले के गांव देवगंज की महिला

खाते में दिखने लगे 10 करोड़, सीता का फिर भी नहीं डोला ईमान

बिछवां (मैनपुरी), एजेंसी

खाते में दस करोड़ रुपये देखकर भी यूपी के मैनपुरी जिले के गांव देवगंज की रहने वाली सीता का ईमान नहीं डगमगाया। उन्होंने परिवार से साफ कह दिया कि जब तक सच्चाई सामने नहीं आ जाती, तब तक खाते से एक रुपये की भी निकासी नहीं होगी। बता दें कि बैंक ऑफ इंडिया के उनके खाते में 24 मार्च को अचानक 9,99,49,588 रुपये दिखने लगे थे।

नवरात्र के चलते बैंक बंद था। उन्होंने एटीएम जाकर वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा और जांच शुरू हुई। पता चला कि उनके खाते में कोई संदिग्ध लेन-देन नहीं हुआ है। तकनीकी गड़बड़ी के चलते खाते में इतनी बड़ी रकम दिख रही थी। उधर, सीता की ईमानदारी की तारीफ देशभर में हो रही है। गांव देवगंज निवासी सीता देवी पत्नी पारसभान बहेलिया ने करीब दो साल पहले बैंक ऑफ इंडिया, सुल्तानगंज से भैंस खरीदने के लिए लोन कराया था। उनको एक एटीएम कार्ड भी मिला था। बीते 24 मार्च को वह अपने बेटे अरुण के साथ बैंक ऑफ इंडिया की सुल्तानगंज शाखा पर बैलेंस चेक करने के लिए पहुंचीं तो खाते में शेष राशि देखकर उनके होश उड़ गए। खाते में 9 करोड़ 99 लाख 49 हजार 588 रुपये का बैलेंस दिख रहा था। सीता देवी को विश्वास नहीं हुआ तो उन्होंने दोबारा से बैलेंस चेक किया। फिर से वही बैलेंस दिखाने पर उन्होंने इसका वीडियो बनाया और बेटे की मदद से उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो में उन्होंने ईमानदारी दिखाते हुए कहा कि उन्हें यह पैसा नहीं चाहिए, जिसका भी यह पैसा है, वह वापस ले ले।

आरबीआई तक पहुंचा वीडियो, जांच में पकड़ में आई गड़बड़ी

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) तक पहुंच गया। आरबीआई ने संज्ञान लेते हुए बैंक ऑफ इंडिया को निर्देश जारी किए। इसके बाद रविवार को बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह जांच के लिए गांव पहुंचे। महिला को साथ लेकर उन्होंने खाते की जांच की तो पाया कि सीता के खाते में कोई भी संदिग्ध लेनदेन नहीं हुआ है। उनके खाते में इस समय 61512 रुपये 75 पैसे का बैलेंस है। बैंक मैनेजर के अनुसार, सीता के खाते में जो बड़ी रकम दिखाई दे रही थी, वह एक तकनीकी कारण यानी लोन अकाउंट पर लगे 'लियन' की वजह से दिख रही थी। यानी यह सिर्फ सिस्टम की एंट्री थी, असली पैसा नहीं था।

यह बोले अधिकारीः अग्रणी जिला प्रबंधक रामचंद्र साहा ने बताया कि महिला सीता के खाते में रुपये का कोई भी लेनदेन नहीं हुआ है। तकनीकी गड़बड़ी की वजह से एटीएम में इतनी बड़ी रकम दिख रही थी। महिला की पासबुक का स्टेटमेंट निकाला गया है जिसमें 21 मार्च से 29 मार्च तक इस तरह का कोई भी लेनदेन दर्ज नहीं है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564